page 1 and 8 Feb 24_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/24/2026 12:47 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 सीयूजे में रसायन विज्ञान के नवीनतम शोध पर दो दिवसीय मंथन, देश-विदेश के विशेषज्ञों की सहभागिता

5 जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बने

8 मार्च माह में बोई जाने वाली फसलें

मौसम जम्मू न्यूनतम 12 अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-48 | जम्मू तवी, मंगलवार 24 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

खेलों के माध्यम से हर नागरिक का जुड़ाव होता है और मजबूत चरित्र निर्माण की प्रेरणा मिलती है: उपराज्यपाल

गुलमर्ग, 23 फ़रवरी । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों (केआईडब्ल्यूजी) को जम्मू-कश्मीर की पहचान का प्रतिबिंब बताते हुए कहा कि खेल हर नागरिक को जोड़ते हैं और मजबूत चरित्र और अनुशासन के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

उत्तरी कश्मीर में केआईडब्ल्यूजी-2026 के छठे संस्करण के एक समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि खेल जम्मू-कश्मीर की पहचान और राष्ट्रीय एकता की भावना को दर्शाते हैं।

यह एक सुखद संयोग है कि शीतकालीन वांचित महोत्सव 22 फरवरी को समाप्त हुआ और आज हम यहां खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का शुभारंभ कर रहे हैं। यह महज एक आयोजन नहीं, बल्कि खेलों में जम्मू और कश्मीर की पहचान, राष्ट्रीय एकता और खेलों की रचनात्मक शक्ति, विशेष रूप से हमारे युवाओं के लिए, का प्रतिबिंब है।

इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, प्रबंधकों और खेल प्रेमियों का स्वागत करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि सभी के सहयोग से धीरे-धीरे एक राष्ट्रीय उत्सव में परिवर्तित हो रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में खेल क्षेत्र में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय के महत्वपूर्ण सहयोग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर ने उल्लेखनीय विकास देखा है।

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया केंद्रों के विस्तार ने क्षेत्र में खेल अवसंरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने खेलों के सफल आयोजन के लिए जम्मू-कश्मीर के युवाओं के समर्पण और प्रतिभा के साथ-साथ अधिकारियों के अथक प्रयासों को श्रेय दिया।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने गुलमर्ग को ग्लोबल स्की हब के रूप में बढ़ावा देने का किया आह्वान

गुलमर्ग, 23 फरवरी । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को शीतकालीन खेलों की सुरक्षा और पर्यटन को मजबूत करने के लिए गुलमर्ग में कृत्रिम बर्फ उत्पादन की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तनशीलता क्षेत्र में पारंपरिक शीतकालीन खेलों के लिए एक गंभीर चुनौती है। गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की शुरुआत को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और बदलती मौसम स्थितियों के अनुरूप ढलने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हालिया बर्फबारी के पैटर्न अप्रत्याशित हो गए हैं जिससे अधिकारियों को शीतकालीन खेलों के बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक योजना पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सीएम ने कहा कि सरकार गुलमर्ग को अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग गंतव्य के रूप में विकसित करने और जलवायु चुनौतियों के बावजूद लगातार खेल गतिविधि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि केवल प्राकृतिक बर्फबारी पर निर्भरता अब टिकाऊ नहीं है और शीतकालीन खेलों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कृत्रिम बर्फ उत्पादन प्रणालियों की शुरुआत करने का आह्वान किया। उन्होंने आगे स्वीकार किया कि कृत्रिम बर्फ परियोजनाओं पर कुछ चिंताएं पैदा हो सकती हैं, लेकिन कहा कि पर्यटन के अवसरों के नुकसान को रोकने और शीतकालीन पर्यटन से जुड़ी आजीविका की रक्षा के लिए ऐसे उपाय आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि होटल व्यवसायियों, गाइडों, परिवहन ऑपरेटरों और छोटे व्यवसायों सहित हजारों स्थानीय हितधारक सर्दियों के मौसम पर निर्भर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन जम्मू-कश्मीर से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगियों को तैयार करने के लिए एथलीटों और खेल बुनियादी ढांचे को हर संभव सहायता देगा। उन्होंने कहा कि स्कीयर आरिफ खान को क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए बधाई देते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि खेलों से और अधिक एथलीट निकलेंगे। उन्होंने कहा कि खेलों में भागीदारी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पदक जीतना शीतकालीन खेलों और पर्यटन

में निरंतर निवेश स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए गुलमर्ग को अग्रणी वैश्विक स्कीइंग स्थलों में स्थान देगा।

मुख्यमंत्री उमर ने राहुल गांधी का समर्थन किया, ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक के संभावित नेता के रूप में पेश किए जाने की खबरों को किया खारिज

गुलमर्ग, 23 फ़रवरी । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक के संभावित नेता के रूप में पेश किए जाने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन में अभी तक नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई है। गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की ऐसी कोई बैठक नहीं हुई है जिसमें नेतृत्व के मुद्दों पर औपचारिक रूप से चर्चा हुई हो।

विधायक मेहराज मलिक के पीएसए मामले पर हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जम्मू, 23 फरवरी । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष मलिक को सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने के आरोप में पिछले साल 8 सितंबर को कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में कठुआ जेल में बंद कर दिया गया था। उन्होंने 24 सितंबर को उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करके अपनी हिरासत को चुनौती दी और मुआवजे के रूप में 5 करोड़ रुपये की मांग की।

अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया ने कहा कि मलिक का मामला न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी के समक्ष सुनवाई के लिए आया और अदालत ने मामले को आदेश सुनाने के लिए सुरक्षित रख लिया है। सलाथिया ने कहा कि अदालत ने दोनों पक्षों मेहराज मलिक की कानूनी टीम के साथ-साथ राज्य को लिखित सारांश या कोई अतिरिक्त प्रस्तुतियां दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है, यदि वे ऐसा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक लंबी और चुनौतीपूर्ण कानूनी यात्रा रही है, लेकिन हम न्यायिक प्रक्रिया में आशान्वित और आश्वस्त हैं। उन्होंने मलिक के समर्थकों और पार्टी के कार्यकर्ताओं से शांत और सकारात्मक रहने को कहा।

कठुआ रेलवे स्टेशन के विकास और ट्रेनों के ठहराव बहाली की मांग

कठुआ, 23 फरवरी। कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने उत्तरी रेलवे जम्मू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विवेक कुमार के साथ बैठक कर कठुआ रेलवे स्टेशन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

विधायक ने डीआरएम को अवगत कराया कि टाटा मूरी, अर्चना एक्सप्रेस और सूबेदारगंज जैसी ट्रेनों का ठहराव कोविड-काल के दौरान कठुआ स्टेशन पर बंद कर दिया गया था, जिसे अभी तक बहाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे रोजाना आने-जाने वाले कर्मचारियों, यात्रियों तथा अमृतसर स्थित दरबार साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए पहले पठानकोट जाना पड़ता है। डॉ. भारत भूषण ने मरोली रोड पर आरपीएफ पुलिस स्टेशन के पास बने अंडरपास की जर्जर स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इस खराब अंडरपास के कारण कंडी पंचायतों के ग्रामीणों और आईआईडीसी केंद्र के औद्योगिक श्रमिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जंगलोट और जसरोटा में रेलवे ट्रैक पर नए अंडरपास के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि यातायात सुचारु रह सके और लोगों को 20-30 मिनट तक लगने वाले जाम से राहत मिल सके। इसके अलावा विधायक ने कठुआ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार, नए पंखे और बैठने की व्यवस्था तथा प्लेटफार्मों के बीच आवाजाही को सुगम बनाने के लिए एस्केलेटर लगाने की मांग भी की। इस पर डीआरएम विवेक कुमार ने सभी मांगों पर उचित और आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

विधानसभा सचिवालय ने लॉटरी के माध्यम से 14 प्रस्तावों का चयन, 31 मार्च और 2 अप्रैल को सदन की कार्यवाही में किया जाएगा सूचीबद्ध

जम्मू, 23 फ़रवरी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान पर्यावरण से लेकर सांस्कृतिक मुद्दों तक विभिन्न प्रकार के निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा होने वाली है। विधानसभा सचिवालय ने लॉटरी के माध्यम से 14 प्रस्तावों का चयन किया है जिन्हें 31 मार्च और 2 अप्रैल को सदन की कार्यवाही में सूचीबद्ध किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक गुरेज नजीर अहमद खान ने शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में पदोन्नति को दूरदराज के क्षेत्रों में अनिवार्य सेवा से जोड़ने वाला एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। पंपोर के विधायक न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हसनैन मसूदी ने सरकार से पंजीकृत शैक्षणिक संस्थानों द्वारा उपयोग की जाने वाली राज्य और शमीलात भूमि के कब्जे को नियमित करने का आग्रह किया है ताकि प्रक्रिया पूरी होने तक उन्हें बिना किसी आपत्ति के कार्य जारी रखने की अनुमति मिल सके। ईदगाह के विधायक मुबारक गुल ने खुशाल सर, गिलसर, शल्लाबुघ और अन्य जल निकायों के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए एक समर्पित झील एवं जलमार्ग विकास प्राधिकरण की स्थापना की मांग की है। शमीम फिरदौस ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पॉलीथीन और उससे संबंधित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। नेशनल काउंसिल के सज्जाद शाहीन ने जम्मू जिले की पुरानी आवासीय कॉलोनियों के शीघ्र नियमितीकरण की मांग की है जबकि उनके पार्टी सहयोगी सलमान सागर ने स्थानीय अधिकारों और आजीविका की रक्षा के लिए फाक क्षेत्र और ग्रामीण ब्लॉक हरवान को श्रीनगर मास्टर प्लान से हटाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। बांदीपोरा के विधायक निज़ाम-उद-दीन भट ने केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में एक समान और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की मांग की है। सांस्कृतिक और शैक्षिक पहलों से संबंधित दो प्रस्ताव भी विचाराधीन हैं। पीडीपी के वहीद-उर-रहमान पारा ने सरकार से कश्मीरी भाषी क्षेत्रों में आधिकारिक संचार, साइनबोर्ड और कक्षा बारहवीं तक के स्कूली पाठ्यक्रम में कश्मीरी भाषा का उपयोग अनिवार्य करने का आग्रह किया है, वहीं भाजपा के नरिंदर सिंह रैना ने विकसित भारत 2047 के तहत जम्मू में पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग की है। जावेद हसन बेग के दो प्रस्ताव चयनित हुए हैं—एक में सरकार से आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया है जिसमें भूकंप की तैयारी और रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया गया है और दूसरे में बारामूला शहर को विरासत शहर घोषित करने की मांग की गई है। इस बीच भाजपा के सुनील भारद्वाज ने रामनगर तहसील को जिले का दर्जा देने का प्रस्ताव पेश किया है और निर्दलीय विधायक मुजफ्फर इकबाल खान ने पंचायती राज नियम (1996) और संबंधित सरकारी आदेशों के पूर्ण कार्यान्वयन की मांग की है जिसमें यह सुनिश्चित किया गया है कि 3 लाख रुपये तक के कार्य ठेकेदारों के बजाय सीधे हलका पंचायतों के माध्यम से किए जाएं।

किश्तवाड़ के चतरू में 326 दिनों तक चला संयुक्त ऑपरेशन, सात खूंखार आतंकी मारे गए

जम्मू, 23 फरवरी । किश्तवाड़ जिले के चतरू क्षेत्र में 326 दिनों तक चले एक संयुक्त अभियान में सात खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने इस अभियान को वीरतापूर्ण दृढ़ता बताया और कहा कि किश्तवाड़ के चुनौतीपूर्ण भूभाग और खराब मौसम की स्थिति में अथक और कठिन अभियान चलाए गए।

सेना ने कहा कि व्हाइट नाइट कोर के जवानों ने जम्मू और कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के समन्वय से नागरिक और सैन्य खुफिया एजेंसियों के सुव्यवस्थित खुफिया नेटवर्क के आधार पर कार्रवाई की गई। सुरक्षा बलों ने भीषण ठंड और जमा देने वाली ठंड में दुर्गम पहाड़ी इलाकों में आतंकवादियों का पीछा किया, जिसके परिणामस्वरूप कई बार मुठभेड़ हुई और अंतत: सभी सात आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना ने कहा कि ऑपरेशन में सहायता के लिए एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, आरपीए, यूएवी और संचार प्रणालियों सहित उन्नत तकनीक का लगातार उपयोग किया गया। सेना ने कहा कि सैफुल्लाह और उसके साथियों का खात्मा क्षेत्र में सक्रिय आतंकी नेटवर्क को करारा झटका है। यह सफलता बलों और खुफिया एजेंसियों के दृढ़ संकल्प, साहस और शौर्य को दर्शाती है।

सरकार का लक्ष्य गुलमर्ग को अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग केंद्र के रूप में विकसित करना : सलाहकार नासिर असलम

गुलमर्ग, 23 फ़रवरी । मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने सोमवार को कहा कि सरकार गुलमर्ग को एक अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए काम कर रही है। छठे संस्करण के खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का शुभारंभ देश और विदेश के खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों को संबोधित करते हुए सलाहकार ने बताया कि छठी बार खेलों की मेजबानी करना शीतकालीन खेलों में जम्मू और कश्मीर की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 卐यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। हमारा लक्ष्य गुलमर्ग को ऐसी ऊंचाइयों पर ले जाना है कि भविष्य में यह और अधिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी कर सके।卐 उन्होंने कहा कि गुलमर्ग को देश के प्रमुख स्कीइंग केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, हालांकि मौसम की स्थिति कभी-कभी शीतकालीन खेलों की गतिविधियों के लिए चुनौतियां पेश करती है। सलाहकार ने आगे कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में समग्र खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई खेल विधाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। विदेशी एथलीटों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय भागीदारी से आयोजन की प्रतिष्ठा बढ़ती है और जम्मू-कश्मीर को वैश्विक शीतकालीन खेल गंतव्य के रूप में बढ़ावा मिलता है। स्थानीय युवाओं की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अपार खेल प्रतिभा है जिसे उचित समर्थन, प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सही सुविधाओं के साथ स्थानीय एथलीट पदक जीत सकते हैं और क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं।

किसानों का फूटा गुस्सा-नहरों में पानी न मिलने से फसलें सूखने की कगार पर

डीसी कठुआ से की तत्काल पानी छोड़ने की मांग

कठुआ/हीरानगर, 23 फरवरी । जिला कठुआ की तहसील हीरानगर के विभिन्न गांवों से आए किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल सिंचाई के लिए नहरों में पानी न छोड़े जाने से परेशान होकर सोमवार को जिला सचिवालय कठुआ पहुंचा और डीसी से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। इस दौरान किसानों ने सचिवालय के बाहर अपनी मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन भी किया। किसानों ने आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण उनकी फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। उनका कहना था कि विभाग के अधिकारी जमीनी स्तर पर किसानों की समस्याओं से पूरी तरह अनजान हैं और कार्यालयों से बाहर निकलकर

हालात का जायजा नहीं लेते। किसानों ने बताया कि इस समय खेतों में सिंचाई के लिए पानी की सख्त जरूरत है लेकिन नहरों में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है जिससे फसलें लगातार खराब हो रही हैं। किसानों के अनुसार जब उन्होंने संबंधित विभाग से पानी छोड़ने की मांग की तो उन्हें बताया गया कि नहरों की मरम्मत का कार्य चल रहा है। किसानों का कहना है कि विभाग और किसानों के बीच किसी प्रकार का तालमेल नहीं है जिसके कारण किसानों की जरूरतों के अनुसार पानी उपलब्ध नहीं कराया जाता। उन्होंने कहा कि जब सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता होती है, तब पानी नहीं छोड़ा जाता और जब जरूरत नहीं होती तब पानी छोड़ दिया जाता है जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों ने बताया कि हीरानगर तहसील के कई गांवों से किसान एकजुट होकर उपायुक्त से मिले और मांग की कि दो से तीन दिनों के भीतर नहरों में पानी छोड़ा जाए ताकि खराब होने की कगार पर पहुंच चुकी फसलों को बचाया जा सके। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते पानी नहीं छोड़ा गया तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

अखनूर में विदेशी नोटों से बंधे पाकिस्तानी गुब्बारे बरामद

जम्मू, 23 फरवरी । जम्मू के पास अखनूर सेक्टर के एक अग्रिम गांव से सोमवार को दो गुब्बारे बरामद किए गए। एक गुब्बारे पर एक पाकिस्तानी 5,000 रुपये का नोट और एक अमेरिकी डॉलर बंधा हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि हवाई जहाज के आकार के सफेद और लाल गुब्बारे खुर सीमा क्षेत्र के गुनारा गांव में एक पेड़ पर चिपके हुए मिले। इन गुब्बारों पर एक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और एक क्यूआर कोड भी अंकित था, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि ये पाकिस्तान की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा के इस तरफ हवा के साथ बहकर आए थे। सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान से आने वाले गुब्बारों का आना एक आम बात है,

लेकिन यह पहली बार है कि इन पर विदेशी नोट बंधे हुए पाए गए हैं।

बीएसएफ ने रविवार को भी पाकिस्तान की ओर से सीमा पार करके सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर के खेतों में गिरे 16 लाल गुब्बारे जब्त किए थे। इसी तरह रविवार शाम को राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के धारियाला वन क्षेत्र में एक जंग लगा हुआ ग्रेनेड बरामद किया गया।

मेजर जनरल ने ऑपरेशन त्राशी-I को बताया दृढ़ता, योजना और निर्बाध समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण

किश्तवाड, 23 फरवरी। डेल्टा आतंकवाद-विरोधी बल (सीआईएफ) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल एपीएस बल ने सोमवार को ऑपरेशन त्राशी-द्व को दृढ़ता, स्पष्ट सोच, उचित योजना और दूरदर्शिता का आदर्श उदाहरण बताया। इस ऑपरेशन की सफलता में सभी ने अहम योगदान दिया। सभी ने बहुत शांति, तालमेल, मिलकर काम करने और मिलकर काम करने के तरीके से काम किया, यही वजह है कि हमने सफलता हासिल की।

मेजर जनरल बल ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन ने जमीनी स्तर पर तैनात सैनिकों से लेकर सह-कमांडरों, एडीजी,

आईजी, डीजीपी और सेना कमांडर तक सभी स्तरों पर निर्बाध समन्वय का प्रदर्शन किया। हाल ही में संपन्न यह अभियान दृढ़ता, स्पष्ट सोच, उचित योजना, दूरदर्शिता और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महीनों के अथक प्रयासों और यहां कार्यरत प्रत्येक बल और एजेंसी के एकीकृत दृष्टिकोण का एक आदर्श उदाहरण है। मेजर जनरल बल ने आगे कहा कि एक सहयोग प्रणाली मौजूद थी, जिसके बिना ऐसे अभियान संभव नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस सहयोग के बिना न तो बुनियादी ढांचा तैयार किया जा सकता था और न ही बाजार से इन ठिकानों तक आपूर्ति पहुंचाई जा सकती थी।उन्होंने आगे कहा कि हमने जिस तरह से शांत, संयमित, एकजुट और सहयोगात्मक तरीके से काम किया, उसी की वजह से हमें इतनी सफलता मिली, खासकर बिना किसी हताहत या हमारे किसी भी सैनिक को कोई नुकसान पहुंचाए, सिवाय बहादुर कुत्ते टायसन के जिसने वास्तव में ऑपरेशन की शुरुआत की थी। मेजर जनरल बल ने यह भी बताया कि आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रहेंगे और जो भी आतंकवादी हमारे क्षेत्र में आएगा, हम उसे मार गिराते रहेंगे।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

पूरी दुनिया में मशहूर हैं दस शहर

दुनिया बेहद खूबसूरत है। अगर प्राकृतिक ने हमारी गोद में सुंदरता की बरमार सौगात में दी है तो लोगों ने भी इस दुनिया को सजाने में अपनी मेहनत के रंग भरे हैं। आज हम आपको दिखाते हैं दुनिया के सबसे रंगीन शहर जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।

Nyhavn, Copenhagen

डेनमार्क में बसे इस शहर में 17 और 18वीं शताब्दी की इमारतें, बार, कैफ़े, रेस्टोरेंट्स आदि हैं जो लकड़ी, ईंट और प्लास्टर से बने हैं। नहर के पास बने इस शहर की खूबसूरती किसी का भी मन मोह लें।

Buenos Aires, Argentina

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में ला बोका (La Boca) नाम की जगह है जो अपने खुले म्यूज़ियम के लिए मशहूर है। यहां के लोगों ने अपने आस-पड़ोस की दीवारों पर कबाड़ के सामान और बचे हुए रंगों से बहुत ही सुन्दर म्यूरल्स और ग्राफ़िटी बनाई हैं।

St. John's, Newfoundland and Labrador, Canada

सेंट जॉन न्यूफ़ाउंडलैंड, लैब्राडोर की राजधानी है। यह कनाडा के सबसे पुराने शहर हैं, जिसका इतिहास 1400 साल पुराना है।

इस जगह का आर्किटेक्चर बहुत ही निराला है क्योंकि पुराने समय में जहाज के कप्तान अपने घर के लिए एक रंग चुनते थे, जिससे समुद्र से घर को आसानी से पहचाना जा सके। यही वजह है कि ये शहर इतना रंगीन है।

Valparaiso, Chile

समुद्र पर बसा वल्परईसो शहर, चिली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गढ़ है। यहां लोगों ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाकर घरों को रंग-बिरंगे रंगों से सजाया है।

Izamal, Mexico

इस शहर को रमैजिकल सिटीर नाम दिया गया है क्योंकि यहां की इमारतों से सूर्य जैसा पीला रंग छलकता है। पत्थर से बनी सड़कें और लाइमस्टोन के चर्च और सरकारी इमारतें इस शहर की सुंदरता को और बढ़ाती हैं।

Wroclaw, Poland

पोलैंड के इस शहर में पर्यटकों के देखने लायक बहुत सारी चीजें हैं जैसे रेस्टोरेंट, कैफे आदि लेकिन इस शहर का सबसे सुन्दर भाग है, यहां के रंग-बिरंगे घर जो पूरे वातावरण को सजीव बनाता है।

Rio de Janeiro, Brazil

2010 में ब्राज़ील की सरकार ने रिओ की बस्तियों को सजाने का काम शुरू किया था। आज यहां की बस्तियां एक बड़ा सा रंग-बिरंगा कैनवास बन गई हैं। इस इलाके में अब टूरिस्ट्स का तांता लगा रहता है।

Jodhpur, India

भारत के राजस्थान में बसा जोधपुर शहर जो ब्लू सिटी के नाम से मशहूर है। यहां के घरों और इमारतों को रॉयल ब्लू रंग में रंगा गया है। ये प्रचलन जोधपुर के राज परिवार ने शुरू किया था। नीले रंग में रंगा गया ये शहर, शान्ति और शीतलता का एहसास देता है।

Pattaya, Thailand

पट्टाया में सुन्दर बीच तो है ही लेकिन यहां की इमारतों के रंग हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां के घर और होटलों को कई रंगों में रंगा गया है जो इस शहर को दुनिया का सबसे रंगीन शहर बनाता है।

Burano Island, Italy

चार आइलैंड के द्वीप समूह में स्थित इस शहर में मोहक सड़कें और नहरें हैं लेकिन उससे भी खूबसूरत यहां की इमारतें हैं जो खूबसूरत रंगों से चमचमाती हैं। यहां खास बात यह है कि यहां सरकार निर्धारित करती है कि आप अपने घर को किस रंग से रंगवा सकते हैं।

जमीन के ऊपर नहीं अंदर हैं 10 शानदार झीलें

झीलों की ख़ूबसूरती हमेशा से ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है। इनकी सुंदरता का जिक्र कई गीतों, शायरों की शायरी और बहुत सारी प्रेम-कहानियों में भी हुआ है। आपने भी वैसे तो बहुत सारी झीलें देखी होंगी लेकिन जिन झीलों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वह रोमांच से भरी पड़ी हैं क्योंकि ये झीलें जमीन पर नहीं बल्कि अंडर ग्राउंड हैं। यह झीलें पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

रीड फ्लूट लेक

चीन के तांग वंश के समय में गुइलिन में स्थित रीड फ्लूट लेक लगभग 1300 साल पुरानी है।

वूकेई होल

ब्रिटेन के सामर सेट में स्थित ये गुफ़ा दुनिया के सबसे बड़ी गुफ़ाओं में से एक है।

चेडर नदी घाटी

ब्रिटेन की 9000 साल पुरानी इस घाटी में 1903 में पूर्ण नर कंकाल मिला था। लाइम स्टोन की बनी हुई ये घाटी एक अंडर ग्राउंड नदी का परिणाम है।

मेल्लिअसनी लेक

कैलीफोर्निया में स्थित इस झील की खोज 1943 में आए एक भूकंप की वजह से हुई थी।

लेचुगुइल्ला लेक

मेक्सिको के कार्ल्सबैड सवेर्न्स नैशनल पार्क यहां की सबसे बड़ी गुफ़ा में शामिल है, जहां ये झील अपनी छटा बिखेरती है।

सेवर्न लेक

चूना पत्थर से बनी मेक्सिको की गुफ़ाओं में स्थित इस झील में दीवारें एक वॉटर फाल की तरह दिखता है।

बंफ्फ लेक

कनाडा के बंफ्फ नैशनल पार्क में स्थित ये झील अपनी ख़ूबसूरती के लिए दुनियाभर में जानी जाती है।

युकाटन लेक

दुनिया के सबसे खूबसूरत झीलों में से एक युकाटन लेक मेक्सिको के मेकन चे में स्थित है।

लुरेई सवेर्न्स

अमरीका के वर्जीनिया में स्थित इस झील को देखने दुनिया भर से पर्यटक यहां आते हैं।

हेमिल्टन पुल

टेक्सस में स्थित हेमिल्टन पूल का निर्माण एक गुफ़ा की छत ढहने से हुआ था।

नाव और कुत्तों की सवारी के लिए मशहूर हैं आठ देश

हजारों सालों से पेरू और बोलीविया के टीटीकाका झील के किनारों पर एक खास तरह की टोटोरा बोट मिलती है जिसे रीड बोट्स भी कहा जाता है। जो दुनिया की सबसे पुरानी बोट्स में शामिल हैं। अलग-अलग साइज में मिलने वाली इन नावों को यहां के ऊरोज जनजाति के लोग अपने हाथों से तैयार करते हैं। ड्रेगन की शेप वाले इस नाव को पुराने जमाने में बुरी आत्माओं को भगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, ऐसा लोग मानते हैं। हल्की होने के कारण पानी में ये बहुत ही तेज रफ़्तार से चलती है। जिससे सफर आसानी से कट जाता है और मंजिल तक समय से पहुंच जाते हैं।

नार्वे के शांत वातावरण का एक्सपीरिएंस कुछ अनोखे तरीके से करना हो तो डॉग स्लीडिंग बेहतरीन ऑप्शन है। यहां के साल्टफेले-स्वार्टिसेन और जॉटुनहाइम नेशनल पार्क अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए जाने जाते हैं जहां तक पहुंचाने में बिनापहिए वाली गाड़ी, जिसे साइबेरियन डॉग खींचते हैं की मदद ली जा सकती है। इस स्लीडिंग का मजा लेने के लिए ओस्लो से 3 घंटे तक का सफर तय करना पड़ता है। टुकटुक, रिक्शे जैसा दिखने वाला वाहन जिसमें आगे साइकिल नहीं बाइक होती है और टुकटुक चलाने वाला बकायदा हेलमेट पहने नजर आएगा। तीन पहिए वाली ये गाड़ी मोटर की मदद से चलती है और इसका भी बहुतायत तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। सबसे पहले टुकटुक थाईलैंड में चलाई गई थी उसके बाद ये लाओस, कंबोडिया, पाकिस्तान से होते हुए इंडिया में आईं। धूल और प्रदूषण से परे इसकी सवारी वाकई मजेदार होने के साथ ही अन्य वाहनों के मुकाबले सस्ती भी होती है। ट्रेन, बस, अलग-अलग सुविधाओं वाली कार के होते हुए भी थाईलैंड में लोग हाथी की सवारी करना ज्यादा पसंद करते हैं। शाही सवारी का अनुभव कराने के साथ ही थाईलैंड के जंगलों को घूमने का मजा इसी से आता है। यहां एक छोटा सा हाथियों का गांव भी है जहां जाकर हाथियों को खिला सकते हैं, बेबी एलिफेंट के साथ मस्ती कर सकते हैं और उनके साथ फोटो भी खिंचवा सकते हैं। थाईलैंड साल भर टूरिस्टों से भरा रहता है। तो बीच पर घूमने के अलावा जंगलों की सैर हाथी पर करना भी एक अच्छा ऑप्शन है।कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह के बत्तामबैंग शहर में लोहे की नहीं बल्कि बांस की ट्रेन देखने को मिलती है। बांस की लकड़ियों से बने खांचे के ऊपर छोटे इलेक्ट्रॉनिक इंजन और नीचे पटरी पर आराम से दौड़ने वाले पहिए, वाकई आवाजाही के लिए गजब का इनवेन्शन है। बड़ी-बड़ी ट्रेनों और बसों को पीछे छोड़ कंबोडिया में लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए ज्यादातर इसका ही इस्तेमाल करते हैं। इसे वहां की सरकार ने भी मान्यता दे रखी है। कंबोडिया के खमेर इलाके में इसे "नौरी" कहते हैं। लेकिन इसकी सबसे अजीबोगरीब चीज है कि लोहे की ट्रेन सामने आने पर इस पर से कूदना पड़ता है।

कई तरह की लग्जरी सुविधाओं से लैस ट्रेन, बसों, हवाई जहाज से बहुत सारे सफर किए होंगे, लेकिन कभी बांस की ट्रेन, हाथियों और ऊंट की पीठ पर सवारी की है? शायद नहीं। दुनिया भर में ऐसी कई सारी जगहें हैं जहां टूरिस्टों को बिल्कुल अनोखे अंदाज में शहर घूमने का मौका मिलता है जो वाकई एक अलग ही एक्सपीरिएंस होता है। तो ऐसे ही अलग राइड्स का मजा कहां और किससे मिलता है, इसे जानेंगे और जब भी जाने का मौका मिले तो एक बार इनपर सवारी करना तो बनता है।

न्यूजीलैंड शहर को एक्सप्लोर करने की सोच रहे हैं तो इन ट्रांसपेरेंट गेंदों(जोर्ब) की मदद ले सकते हैं। घाटियों और पहाड़ों से लुढ़काई जाने वाली इस गेंद में बहुत स्पेस होता है जिसमें एक या दो नहीं बल्कि कई सारे लोग एक साथ बैठ सकते हैं। जोर्ब की सबसे मजेदार बात होती है कि ये पहाड़ों, सड़कों के अलावा पानी में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। वहां के लोग इसे किवी कहते हैं जो बंजी जम्पिंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग और स्काईडाइविंग जैसे खेलों जितना ही मजेदार खेल है। रंग-बिरंगी, नियॉन लाइट्स और वूडू पोस्टर्स से सजी हुई बसें ग्वाटेमाला में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसे "चिकन बस" के नाम से पुकारा जाता है। पुरानी बसों को बिल्कुल अलग तरह से तैयार कर इसे स्कूल बस के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। बड़े-बड़े पहाड़ों पर इससे सफर करना आसान होता है। पहले बसों में बकरियों और मुर्गियों की भी सवारी होती है इसलिए इस चिकन बस कहा जाने लगा। लेकिन ग्वाटेमाला में सबसे ज्यादा लूट-पाट भी इन्हीं बसों में होती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

ओपन जिला क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल संपन्न, विजेता टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं

कठुआ, 23 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ द्वारा सामाजिक कल्याण विभाग के सहयोग से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित ओपन जिला क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले जिले के विभिन्न उपमंडलों में उत्साहपूर्वक संपन्न हुए। इन मुकाबलों में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में रोमांचक खेल का प्रदर्शन किया।

बिलावर के भड्डू मैदान में खेले गए मैच में डेक्कन चार्जेस बिलावर ने ए.के. बिलावर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बसोहली के मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में बसोहली टीम ने प्लासी टीम को पराजित कर अगला चरण सुनिश्चित किया। बनी के सरकारी डिग्री कॉलेज मैदान में टीम बनी ने बैकन टीम को हराकर जीत दर्ज की, जबकि हीरानगर में खेले गए मुकाबले में हीरानगर क्रिकेट क्लब ने मुकेश 11 क्रिकेट क्लब को पराजित कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना और खेलों के माध्यम से नशा मुक्त समाज का संदेश देना है। सभी विजेता टीमें अब 25 फरवरी 2026 को स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में आमने-सामने होंगी।

एनएसएस यूनिट जीडीसी बसोहली ने किया स्कूल दौरा, नुक्कड़ नाटक से दिया नशा मुक्ति का संदेश

कठुआ/बसोहली, 23 फरवरी (हि.स.)। जीडीसी बसोहली की एनएसएस यूनिट ने 7-दिवसीय शीतकालीन विशेष शिविर 2026 के तहत सरकारी यूपीएस बारला चैगान (प्लाही) का शैक्षणिक दौरा किया तथा बस स्टैंड बसोहली में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ से संवाद कर स्वच्छता, स्वास्थ्य, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर जागरूक किया। साथ ही बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित कर उन्हें सकारात्मक मूल्यों को अपनाने और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। बाद में बस स्टैंड पर प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाते हुए लोगों से नशा मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग की अपील की गई।

अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता 2025-26 में जीजीएम साइंस कॉलेज बना ओवरऑल चैंपियन, चार स्वर्ण पदक जीते

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज ने सत्र 2025-26 की पेंचक-सिलाट (पुरुष) अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में चार स्वर्ण पदक और कुल 35 अंकों के साथ ओवरऑल विजेता बनने का गौरव हासिल किया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की गई जिसकी मेजबानी कॉलेज परिसर में की गई। प्रतियोगिता में संबद्ध संस्थानों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुरुष वर्ग में कॉलेज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। शैद ने 55-60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, मनीक बनमोत्रा ने 65-70 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, अयान साहिल सिंह चाढ़क ने 85-90 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि माजिद ने 90-95 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। उल्लेखनीय है कि अयान साहिल सिंह चाढ़क पूर्व में ऑल इंडिया चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीतकर संस्थान का नाम रोशन कर चुके हैं। महिला वर्ग में प्रिया देवी ने अंडर-45 किलोग्राम व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर कॉलेज की उपलब्धियों में इजाफा किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने विजेता टीम को बधाई दी और पीटीआई डॉ. देविंदर कुमार शर्मा तथा डॉ. बिलाल अहमद मल्ला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास को विकसित करते हैं।

आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और जीवनरक्षक तकनीकों पर 50 प्रतिभागियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। सरकारी शिक्षा महाविद्यालय नहर मार्ग, जम्मू में 5 दिवसीय सिविल डिफेंस बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सिविल डिफेंस जम्मू के उप नियंत्रक के पर्यवेक्षण तथा डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मगोतरा के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 50 छात्र-छात्राएं एवं स्टाफ सदस्य भाग ले रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकालीन प्रतिक्रिया, बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन और जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण देना है। विशेष रूप से हवाई हमले, प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले निवारक उपायों की जानकारी भी दी जा रही है।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ज्योति परिहार ने सिविल डिफेंस टीम का स्वागत करते हुए ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य वार्डन सिविल डिफेंस, जम्मू परमजीत कुमार ने अपने व्याख्यान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सिविल डिफेंस की भूमिका के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। डिप्टी चीफ वार्डन आर. विजय मगोतरा ने सिविल डिफेंस वार्डन सेवाओं की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिविल डिफेंस राष्ट्रीय आपदा तैयारी तंत्र का महत्वपूर्ण अंग है जिसका उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संकट की घड़ी में त्वरित सहायता प्रदान करना है।

कार्यक्रम में एचसी अश्वनी कुमार, प्रशिक्षण प्रशिक्षक परशोतम कुमार तथा राजिंदर कुमार ने भी प्रशिक्षण सत्रों में योगदान दिया। प्रोफेसर शुभरा जम्वाल ने औपचारिक स्वागत भाषण देते हुए ऐसे प्रशिक्षण की महत्ता पर बल दिया।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए शिव सैनिकों ने संभाली कमान; स्कूलों के बाहर बनाई जेबरा क्रॉसिंग

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई ने जनहित और स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आज एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जम्मू बस स्टैंड के समीप स्थित कुछ निजी स्कूलों के बाहर मुख्य सड़कों पर स्वयं जेबरा क्रॉसिंग बनाई और चेतावनी बोर्ड स्थापित किए।

इस अवसर पर मनीश साहनी ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण स्कूली बच्चों को सड़क पार करते समय अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है।

उन्होंने कहा, अक्सर देखा गया है कि स्कूल की छुट्टी के समय वाहनों की तेज गति के कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। जब प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो शिवसेना ने जनहित में खुद यह जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया।

साहनी ने प्रशासन से सभी स्कूलों के बाहर ट्रैफिक सिग्नल, स्थायी जेबरा क्रॉसिंग और स्पीड ब्रेकर, स्पीड चेतवनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

इसके साथ ही वाहन चालकों से स्कूल जोन में गति सीमा का पालन करने और जेबरा क्रॉसिंग का सम्मान करने का आग्रह किया। इस मौके पर विकास बख्शी, संजीव कोहली, अदितय महाजन, संजीव भट्ट, जसबीर सिंह, रघुबीर सिह, सुनील, जुनेद मसूद समेत कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीयूजे में रसायन विज्ञान के नवीनतम शोध पर दो दिवसीय मंथन, देश-विदेश के विशेषज्ञों की सहभागिता

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के रसायन एवं रासायनिक विज्ञान विभाग द्वारा रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आरएसीएस-2026) विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सम्मेलन के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. संजीव जैन ने अपने मार्गदर्शन में इस अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजन को प्रोत्साहित किया। उन्होंने अंत:विषय शोध, नवाचार और वैश्विक सहयोग को रासायनिक विज्ञान की प्रगति के लिए आवश्यक बताया। स्कूल ऑफ एप्लाइड साइंसेज के डीन प्रो. विनय कुमार ने अकादमिक रूपरेखा को दिशा प्रदान की। सम्मेलन की संयोजक डॉ. सुजाता कुंदन तथा सह-संयोजक डॉ. सत्यनारायण बतुला ने आयोजन की समग्र रूपरेखा और व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया।

पहले दिन विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों ने शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किए जिनमें अल्काइन्स की कार्यात्मकता, पोर्फिरिन एनालॉग्स, फॉस्फीन-आधारित रसायन, नैनोमटेरियल्स और ऑर्गेनिक मैटेरियल्स पर चर्चा हुई। दूसरे दिन सुप्रामॉलिक्यूलर असेम्बली, कैंसर उपचार हेतु फोटोसेंसिटाइज़र, मीथेन रिफॉर्मिंग के लिए उत्प्रेरक तथा मैकेनोकेमिकल रणनीतियों जैसे उन्नत विषयों पर मंथन हुआ। पोस्टर एवं मौखिक प्रस्तुति सत्रों ने युवा शोधार्थियों को अपने कार्य प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान किया। समापन सत्र में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर और मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार वितरित किए गए।

सम्मेलन ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध सहयोग को सुदृढ़ करने और रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजकों ने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया।

सरकारी शिक्षा महाविद्यालय में 7 दिवसीय एनएसएस शीतकालीन शिविर 2026 का शुभारंभ

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। सरकारी शिक्षा महाविद्यालय में सोमवार को 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शीतकालीन शिविर 2026 का उत्साहपूर्ण शुभारंभ किया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। शिविर का आयोजन एनएसएस के मूल मंत्र नॉट मी, बट यू के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता और सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना है। उद्घाटन समारोह की शुरुआत संकाय सदस्यों के स्वागत संबोधन से हुई जिसके पश्चात शिविर की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का प्रारंभ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ जिससे प्रतिभागियों में उत्साह और एकता का वातावरण बना। उद्घाटन सत्र के दौरान सभी स्वयंसेवकों को अल्पाहार भी प्रदान किया गया। सप्ताहभर चलने वाले इस शिविर में सिविल डिफेंस प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे जिनमें आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यक्तिगत सुरक्षा से संबंधित व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त परिसर स्वच्छता अभियान, सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम, पर्यावरण जागरूकता गतिविधियाँ और वेस्ट टू वंडर जैसी रचनात्मक पहलें भी शामिल हैं। खेल एवं मनोरंजन गतिविधियों में रस्साकशी, रिले रेस, ट्रेजर हंट, योग सत्र और मिनी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। समूह चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और टीम-बिल्डिंग अभ्यास विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करेंगे।

(प्रो क प्र. क. 46 / 2024
पेशी तारीख 06/03/2026
(विवेक गर्ग)
जिला– बलौदाबाजार (छ.ग.)
तृतीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
उपस्थिति हेतु संमंस
//ओदश 5 नियम 20–1 व्य. प्र. सं//
न्यायालय :– श्रीमान तृतीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दाव अधिकरण
जिला बलौदाबाजार /भाटापारा छ. ग.
(पीठासीन अधिकारी श्री विवेक गर्ग)

प्रति,
1. धीरज गुप्ता पिता कुंदन लाल गुप्ता पता 432/2 नरवाल पैन सतवारी कैंट जम्मू जिला जम्मू कश्मीर पिन 180001

ना.बा. दिव्यांशी कर्ष बनाम धीरज गुप्ता

अपीलार्थी गण/ ना.बा. दिवांशी स्व. सुरेश कुमार कर्ष 2. ना.बा. हर्षाली कर्ष पिता स्व. सुरेश कर्ष 3. उचित राम कर्ष पिता सुखउ राज कर्ष ना.बा. क. 1,2 द्वारा वली दादा उचित राम कर्ष निवासी धोबी पारा ग्राम बिलासपुर थाना सरसीवा जिला सारंगढ बिलाईगढ छ.ग. हाल पता ग्राम खपराडीह थाना गिधौरी जिला बलौदाबाजार छ.ग। आप उत्तरवीदीगण के विरूद्ध 46/2024 आवेदन पत्र अतर्गत धारा 166 सहपठित 140 मोटर यान अधिनियम 1988 सथगित किया गया है। आप उत्तरवादी इस न्यायालय में नियत तारीख 06/03/2026 के दावे के उत्तर देने के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है। इससे सम्बन्धित स्वयं या किसी ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो, जिसे तत्सम्बन्ध में अनुदेश दिये गये हों और इस दावे से सम्बन्धित सारवान प्रशनों के उत्तर दे सकें। आप उत्तरवादी को यह निर्देश दिये जा रहे हैं कि आप इन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में हों, पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारति है यदि आप किसी अन्य दस्तावेजों पर चाहे वह अपने कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में हो विसरत करते हुए आप ऐसे दस्तावेज का लिखित कथन के साथ उपलब्ध कराये जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर वर्णित की गई पेशी तारीख – 06/03/2026 को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे, तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
टीप :– यदि किसी कारणवश उक्त पेशी दिनांक– 06/03/2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है, अथवा किसी कारणवश कार्य स्थगित हो जाता है, तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुद्रा लगाकर दिया गया।

(विवेक शर्मा)
अतिरिक्त मोटर दुर्घटना अधिकारण
जिला बलौदाबाजार छ.ग.

प्रो क प्र क 48 / 2024
पेशी तारीख 06/03/2026
(विवेक गर्ग)
तृतीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
जिला– बलौदाबाजार (छ.ग.)
उपस्थिति हेतु संमंस
//ओदश 5 नियम 20–1 व्य. प्र. सं//
न्यायालय :– श्रीमान तृतीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दाव अधिकरण
जिला बलौदाबाजार /भाटापारा छ. ग
(पीठासीन अधिकारी श्री विवेक गर्ग)

प्रति,
1. धीरज गुप्ता पिता कुंदन लाल गुप्ता पता 432/2 नरवाल पैन सतवारी कैंट जम्मू जिला जम्मू कश्मीर पिन 180001

ना. बा. दिव्यांशी कर्ष बनाम धीरज गुप्ता

अपीलार्थी गण/ ना.बा. कर्ष पिता स्व. सुरेश कुमार कर्ष 2. ना.बा. कर्ष पिता स्व. सुरेश कर्ष 3. उचित राम कर्ष पिता सुखउ राज कर्ष ना.बा. क. 1,2 द्वारा वली दादा उचित राम कर्ष निवासी धोबी पारा ग्राम बिलासपुर थाना सरसीवा जिला सारंगढ बिलाईगढ छ.ग. हाल पता ग्राम खपराडीह थाना गिधौरी जिला बलौदाबाजार छ.ग.। आप उत्तरवीदीगण के विरूद्ध 48/2024 आवेदन पत्र अतर्गत धारा 166 सहपठित 140 मोटर यान अधिनियम 1988 स्थगित किया गया है। आप उत्तरवादी इस न्यायालय में नियत तारीख **06/03/2026** के दावे के उत्तर देने के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है। इससे सम्बन्धित स्वयं या किसी ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो, जिसे तत्सम्बन्ध में अनुदेश दिये गये हों और इस दावे से सम्बन्धित सारवान प्रशनों के उत्तर दे सकें। आप उत्तरवादी को यह निर्देश दिये जा रहे हैं कि आप इन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में हों, पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारति है यदि आप किसी अन्य दस्तावेजों पर चाहे वह अपने कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में हो विसरत करते हुए आप ऐसे दस्तावेज का लिखित कथन के साथ उपलब्ध कराये जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर वर्णित की गई पेशी तारीख – **06/03/2026** को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे, तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
टीप :– यदि किसी कारणवश उक्त पेशी दिनांक– **06/03/2026** को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है, अथवा किसी कारणवश कार्य स्थगित हो जाता है, तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुद्रा लगाकर दिया गया।

(विवेक शर्मा)
अतिरिक्त मोटर दुर्घटना अधिकारण
जिला बलौदाबाजार छ.ग.

एम्बुलेंस में लगी आग, कोई घायल नहीं

राजौरी, 23 फ़रवरी (हि.स.)। सोमवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल के पार्किंग क्षेत्र में एक एम्बुलेंस में आग लग गई जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारियों के अनुसार आग गंभीर देखभाल श्रेणी की 108 एम्बुलेंस के रोगी कक्ष में लगी और कुछ ही मिनटों में पूरी एम्बुलेंस को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों और दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और अधिकारियों ने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी में स्वास्थ्य सुविधाओं की खस्ताहाल

राजौरी, 23 फ़रवरी (हि.स.)। सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) राजौरी में स्वास्थ्य सुविधाओं की खस्ताहाल स्थिति को लेकर आज स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। नाराज नागरिकों और मरीजों के परिजनों ने अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर एकत्रित होकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अस्पताल में बुनियादी ढांचे का घोर अभाव है। साफ-सफाई की कमी और लचर व्यवस्था के कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे स्थानीय लोगों ने कहा, फ्अस्पताल की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। दूर-दराज के इलाकों से लोग यहां इलाज की उम्मीद में आते हैं, लेकिन यहां की बदहाली उन्हें और बीमार कर रही है।

अस्पताल के बाहर हुए इस विरोध प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। बाद में मौके पर पहुंचे प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों को शांत कराया। अधिकारियों द्वारा जल्द ही स्थिति की समीक्षा करने और ठोस कदम उठाने के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपना धरना समाप्त किया।

प्रो क प्र क 47 / 2024
पेशी तारीख 06/03/2026
(विवेक गर्ग)
तृतीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
जिला– बलौदाबाजार (छ. ग.)
उपस्थिति हेतु संमंस
//ओदश 5 नियम 20–1 व्य. प्रसं//
न्यायालय :– श्रीमान तृतीय अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दाव अधिकरण
जिला बलौदाबाजार /भाटापारा छ. ग
(पीठासीन अधिकारी श्री विवेक गर्ग)

प्रति,
1. धीरज गुप्ता पिता कुंदन लाल गुप्ता पता 432/2 नारवाल पैन सतवारी कैंट जम्मू जिला जम्मू कश्मीर पिन 180001

चन्द्रकुमार कर्ष वगै. बनाम धीरज गुप्ता

अपीलार्थी गण/ चंद्रकुमार कर्ष पिता स्व. धनीराम कर्ष पता ग्राम तुरमा थाना शिवरीनाराय जिला जांजगिर चांपा छ.ग. हाल मुकाम पता ग्राम खपराडीह थाना गिधौरी जिला बलौदाबाजार छ.ग। 2. भनेश्वरी निर्मलकर पिता स्व धनीराम कर्ष पता वार्ड क. 11 खरौद थाना शिवरीनाराय जिला जांजगिर चांपा छ.ग. आप उत्तरवीदीगण के विरूद्ध 47/2024 आवेदन पत्र अतर्गत धारा 166 सहपठित 140 मोटर यान अधिनियम 1988 स्थगित किया गया है। आप उत्तरवादी इस न्यायालय में नियत तारीख **06/03/2026** के दावे के उत्तर देने के लिए उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है। इससे सम्बन्धित स्वयं या किसी ऐसे वकील द्वारा उपस्थित हो, जिसे तत्सम्बन्ध में अनुदेश दिये गये हों और इस दावे से सम्बन्धित सारवान प्रशनों के उत्तर दे सकें। आप उत्तरवादी को यह निर्देश दिये जा रहे हैं कि आप इन सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में हों, पेश करें। जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारति है यदि आप किसी अन्य दस्तावेजों पर चाहे वह अपने कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में हो विसरत करते हुए आप ऐसे दस्तावेज का लिखित कथन के साथ उपलब्ध कराये जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर वर्णित की गई पेशी तारीख – **06/03/2026** को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे, तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
टीप :– यदि किसी कारणवश उक्त पेशी दिनांक– **06/03/2026** को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है, अथवा किसी कारणवश कार्य स्थगित हो जाता है, तो आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण की सुनवाई होगी।
दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुद्रा लगाकर दिया गया।

(विवेक शर्मा)
अतिरिक्त मोटर दुर्घटना अधिकारण
जिला बलौदाबाजार छ.ग.

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA
Tele/Fax :01924-253998/
Notice Inviting Tender
e-NIT No.: - MID/AN/111 Dated: -21/02/2026

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs:

S.No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
01.	Repair to H.C Pump 3.5 cusec,18mtr head coupled to 40 HP H.C motor along with Foot valve of 200 mm(dia) install at LIS Saranoo old	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	10 Days	Registered / Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 21/02/2026 (05:00PM) to 28/02/2026 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 23/02/2026 (01:00 PM) to 28/02/2026 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 23/02/2026 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 02/03/2026 (1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5. The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
No: - MID/AN/1875-79 Dated: - 21-02-2026

DIP/J-11952/25
Dtd: 23-2-2026

-Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी

ऐसा प्रतीत होता है कि जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास अब रंग लाने लगे हैं। National Medical Commission द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए जम्मू-कश्मीर के मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों हेतु 24 नए या उन्नत स्नातकोत्तर (पीजी) सीटों को मंजूरी दिया जाना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

रिपोर्ट के अनुसार, श्रीनगर और जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेजों को क्रमशः 10 और 8 पीजी सीटें ब्रॉड स्पेशियलिटीज (बीएस) में आवंटित की गई हैं, जबकि Sher-i-Kashmir Institute of Medical Sciences, श्रीनगर को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए 6 सीटें प्रदान की गई हैं। Government Medical College Jammu को पहली बार डीएम (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) और एम.च. (मास्टर ऑफ चिरुर्जिए) यूरोलॉजी सीटों की स्वीकृति मिलना जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और इसे संभव बनाने वालों के लिए सम्मान की बात है।

यदि हालिया उपलब्धियों पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जो क्षेत्र कभी स्वास्थ्य सेवाओं में पिछड़ा हुआ था, वहां अब चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। एमबीबीएस सीटों की संख्या 500 से बढ़ाकर 1500 कर दी गई है, साथ ही पूरे जम्मू-कश्मीर में 120 पीजी सीटों की वृद्धि हुई है। इनमें से 44 पीजी सीटें जम्मू के जीएमसी को मिली हैं। अब सुपर स्पेशियलिटी सीटों की भी बढ़ोतरी हुई है। पैरामेडिकल सीटों में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में पीजी आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम की भी शुरुआत की गई है।

इस महत्वपूर्ण क्षेत्र पर केंद्रित ध्यान लंबे समय से जनता की मांग थी और केंद्र तथा जम्मू-कश्मीर की सरकारों ने अंततः वह कार्य कर दिखाया, जिसे कई पूर्ववर्ती सरकारें केवल वादों तक सीमित रखती रहीं।

स्वास्थ्य क्षेत्र, विशेषकर चिकित्सा शिक्षा में यह उल्लेखनीय प्रगति इस बात का प्रमाण है कि यदि सरकार की नीयत साफ और दृष्टि स्पष्ट हो, तो कठिन परिस्थितियों के बावजूद किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन संभव है। नई सीटों और नवाचारपूर्ण सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के साथ यह उम्मीद की जा सकती है कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल है। स्वास्थ्य सुविधाएं देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के समकक्ष पहुंचेंगी और डॉक्टरों को अब अपनी योग्यता और कौशल को बढ़ाने के लिए केंद्र शासित प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

निस्संदेह, इस बड़ी उपलब्धि के लिए सरकार प्रशंसा की पात्र है, क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा क्रांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होने जा रहा है। जिस गति से यह क्षेत्र उपलब्धियां हासिल कर रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है, उसे देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यहां स्वास्थ्य क्षेत्र का स्वर्णिम भविष्य अब दूर नहीं।

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज पर गहरा खतरा

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं।

कैलाश चन्द्र

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है।

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (2022) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं।

निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं।

किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (2022) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए।

भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है।

मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां।

यह विषय किसी एक फिल्म फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की।

भोपाल फिल्म फेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है।

भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है। भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज सजग, संगठित और वैचारिक रूप से स्पष्ट रहे। जब जनमानस अपने सांस्कृतिक दायित्व को समझेगा और जागृत चेतना के साथ आगे आएगा, तभी राष्ट्र अपनी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए प्रगति की दिशा में संतुलित कदम बढ़ा सकेगा। यही सांस्कृतिक आत्मरक्षा का मार्ग है और यही भारतीय समाज की दीर्घकालिक स्थिरता की आधारशिला है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

दिल्ली सरकार का एक साल और बदलाव की बयार

मनोज कुमार मिश्र

27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की ठोस बुनियाद रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस मौके पर पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का, नाम से एक बुकलेट भी जारी की गई। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर(डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपये में गरीबों को भाजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की ठोस बुनियाद रखी गई हैं। जन सुनवाई की हर स्तर पर व्यवस्था और आम जन की शिकायतों पर कड़ाई से अमल होना शुरू हो गया है। वैसे अभी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। उसका सामना करने और उसका निबटारा करने के लिए सरकार को लगातार युद्ध स्तर पर काम करना होगा।

वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई- बाइक, ई-टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसों को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अपग्रेड किया गया है। नौ पर काम चल कहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन-रात काम कर रही है।

साल 1993 में दिल्ली में नए प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई ठोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राज्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए। दिल्ली मेट्रो की नींव रखी गई।1984 के सिख दंगा पीडितों को न्याय दिलाने के प्रयास हुए। इस सिलसिले को 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई बनी कांग्रेस सरकार ने और आगे बढ़ाया। दिल्ली के मूलभूत ढांचे के विकसित करने की सर्वाधिक श्रेय शीला दीक्षित के जाता है। पूरी दिल्ली में काम हुए। दिल्ली फ्लाईओवर का शहर बना। असंभव माने जाने वाले बारापूला नाले को ढक कर कई किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बना। ऐतिहासिक सलीम गढ़ किला के ऊपर से सड़क निकाली गई। मेट्रो दिल्ली समेत पूरी एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पहुंचा। 15 साल शीला दीक्षित के शासन के बाद आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी(आआपा) की दिल्ली में सरकार दस साल रही। बीच में करीब साल भर के लिए राष्ट्रपति शासन भी लगा। आआपा की अनुभवहीन सरकार ने कामकाज से ज्यादा विवाद ही किया। विकास कार्य पटरी से उतर गई। आम लोगों को लुभाने के लिए सरकार केवल मुफ्त की रेवड़ियां बांटती रही। इसी के बल पर वे दो बार प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत गए।

उसके बाद साल भर पहले भाजपा की सरकार बनी। चुनाव प्रचार में भाजपा के नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे। उनमें से कुछ पर तो अमल शुरू हो गए हैं लेकिन काफी काम अभी करने हैं। कायदे में आआपा शासन के दस साल ने दिल्ली में विकास की दिशा ही बदल दी थी। उसे वापस पटरी पर लाना भाजपा सरकार के लिए पहली चुनौती थी। उसमें वे कामयाब रहे। दिल्ली की समस्या अनोखी है। उसका इलाका तो 1483 किलोमीटर ही रहना है लेकिन आबादी बेहिसाब बढ़ रही है। दिल्ली की आबादी में हर साल पांच लाख अतिरिक्त आबादी जुड़ती है। देश की राजधानी होने और नोट-वोट की राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल इस पर अंकुश लगाना नहीं चाहता है। दिल्ली का अपना कुछ नहीं है। मौसम से लेकर बिजली-पानी के लिए दिल्ली पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली की सड़कों भी एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ सकती। शीला दीक्षित ने भी सड़क के ऊपर सड़क (डबल डेकर रोड) बनाने की योजना बनाई थी, उस पर अमल रेखा गुप्ता सरकार करने वाली है। सड़कों से वाहनों की भीड़ कम होना कठिन हो गया है। पेरेफेरियल सड़कों के अलावा चार सौ किलोमीटर मेट्रो चलने और दिल्ली से मेरठ के लिए नमो भारत रेल शुरू होने आदि के बावजूद सड़कों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है। केन्द्र सरकार ने दो और रास्तों पर नमो भारत रेल चलाने की घोषणा की है

पिछली सरकार से विपरीत इस सरकार ने फटाफट मेट्रो के अगले चरणों को मंजूरी दी है। नए चरणों के लिए बजट भी आवंटित किए गए हैं। मेट्रो के विस्तार से सड़कों पर से वाहनों की भीड़ कुछ कम होने की उम्मीद जगी है। लोक निर्माण विभाग की 1400 किलोमीटर सड़कों में से पहले साल में 550 किलोमीटर सड़कों की वाल-टू-वाल कारपेंटिंग का काम पूरा हो गया है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

नई दिल्ली घोषणा से कृषि क्रांति तक भविष्य की वैश्विक धुरी एआइ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है।

700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्रसमिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित AIyAgri 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी।

इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित Agri Param मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निर्माता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत

भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है।

भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निर्माता बनने की ओर अग्रसर

अत- इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा। इस क्रांति की धुरी वही देश बन सकता है, जोकि तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर वैश्विक सहयोग का सेतु बन सके। साथ ही जिसमें नवाचार को समावेशी बनाने की क्षमता हो। कहना होगा कि आज ये संकेत स्पष्ट हैं; भारत उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है और एआई के युग में विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख निर्माता बनने की ओर अग्रसर है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

यूपी में पहली बार प्रो हैंडबॉल लीग प्रीमियम, वाराणसी में हुआ खिलाड़ियों का ऑक्शन, 6 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में पहली बार आईपीएल की तर्ज पर प्रो हैंडबॉल लीग प्रीमियम का आयोजन किया जा रहा है। यह लीग राज्य में हैंडबॉल खेल के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है। प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में 9 अप्रैल से किया जाएगा, जबकि खिलाड़ियों का ऑक्शन वाराणसी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, वाराणसी विकास प्राधिकरण के सदस्य अमरीश सिंह भोला और लीग की ब्रांड एंबेसडर बॉलीवुड अभिनेत्री सबिता कलवार मौजूद रहीं। मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने लीग के लिए शुभकामना संदेश भेजा। लीग में छह टीमें हिस्सा लेंगी- मथुरा बृज स्टार, नोएडा ब्लास्टर, अमेठी रक्षक, गाजियाबाद पैंथर, काशी किंग और गोरखपुर राउंडीज। ऑक्शन में करीब 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों का बेस प्राइज 10 हजार रुपये से शुरू होकर 2 लाख रुपये तक निर्धारित किया गया है। लीग के उद्घाटन समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रण पत्र भेजा गया है।

साउथ अफ्रीका से मिली करारी हार पर कप्तान सूर्यकुमार यादव का बयान आया सामने, खराब बल्लेबाजी पर फूटा गुस्सा

अहमदाबाद। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के एकतरफा मैच में यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी शिकस्त के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम बल्लेबाजी में इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत मार्को यानसेन (22 रन पर चार विकेट), केशव महाराज (24 रन पर तीन विकेट) और कोर्बिन बॉश (12 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.5 ओवर में 111 रन पर सिमट गया। मेजबान टीम की ओर से सिर्फ शिवम दुबे (42 रन, 37 गेंद, तीन छक्के, एक चौके) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा, ''शुरुआत में हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। सात से 15वें ओवर के बीच उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और फिर हमने वापसी की।'' उन्होंने कहा, ''बहुत अच्छी गेंदबाजी की लेकिन और बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे। कभी-कभी आपको सोचना पड़ता है कि आप पावरप्ले में मैच नहीं जीत सकते लेकिन आप मैच हार सकते हैं। हमें जिन साझेदारी की जरूरत थी वे नहीं हुई। यह खेल का हिस्सा है। हम इससे सीखेंगे और वापसी करेंगे।''

जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 मुकाबले में भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर अपनी धारदार गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए इस अहम मुकाबले में बुमराह ने पावरप्ले के अंदर 2 विकेट लेकर टीम इंडिया को शानदार शुरुआत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।

अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी: इस मैच में दो विकेट लेते ही बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए 32 विकेट पूरे कर लिए। इसके साथ ही उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अश्विन ने 24 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे, जबकि बुमराह ने यह उपलब्धि केवल 22 मैचों में हासिल कर ली। बेहतर स्ट्राइक रेट और कम मैचों में यह आंकड़ा छूना उनकी प्रभावशाली गेंदबाज़ी का प्रमाण है। अब बुमराह के पास इस टूर्नामेंट में ही यह रिकॉर्ड तोड़कर भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज़ बनने का मौका है।

लय की तलाश में जोस बटलर, चिंता की जगह कप्तान ब्रूक ने दिया ये बयान

पाल्लेकल : जोस बटलर लय की तलाश में है लेकिन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने इसे लेकर ज्यादा चिंता जताए बिना पूर्व कप्तान को 'पावरहाउस' करार देते हुए भरोसा जताया कि टी20 विश्व कप के निर्णायक चरण में वह जोरदार अंदाज में वापसी करेंगे। विश्व कप (2022) विजेता कप्तान का मौजूदा टूर्नामेंट में खराब दौर जारी रहा और वह यहां सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ सात रन बनाकर आउट हो गए। वह टूर्नामेंट में तीसरी बार दो अंकों के आंकड़े में पहुंचने में नाकाम रहे। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर नेपाल के खिलाफ 26 रन रहा है। बटलर ने इस प्रारूप में अपना पिछला अर्धशतक पिछले साल सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खलाफ लगाया था। इंग्लैंड की 51 रन की जीत के बाद पुरस्कार समारोह में ब्रूक ने कहा, 'मुझे कोई चिंता नहीं है। वह पावरहाउस हैं, वह सीमित ओवरों में संभवतः हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। इस समय उनमें थोड़ा आत्मविश्वास की कमी है, लेकिन मैं चाहूंगा कि वह टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ जोरदार प्रदर्शन करें।'

वैंडविंकेल ने अडकर का ऐतिहासिक सफर रोका, आईटीएफ डब्ल्यू-100 बेंगलुरु खिताब जीता

एजेंसी

बेंगलुरु। बेल्जियम की तीसरी वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 124 हैने वैंडविंकेल ने केपीबी ट्रस्ट आईटीएफ विमेंस ओपन डब्ल्यू-100 बेंगलुरु 2026 के फाइनल में भारत की युवा खिलाड़ी वैश्वनी अडकर को 6-0, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

पुणे की 21 वर्षीय अडकर, जो विश्व रैंकिंग में 690वें स्थान पर हैं और वाइल्डकार्ड के जरिए टूर्नामेंट में उतरी थीं, ने फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचा था। वह आईटीएफ डब्ल्यू100 स्तर के फाइनल में पहुंचने वाली सानिया मिर्जा के बाद पहली भारतीय महिला बनी थीं। हालांकि खिताबी मुकाबले में वांडेविंकेल का अनुभव और निरंतरता भारी पड़ी। मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम की खिलाड़ी ने दबदबा बनाया। पहले ही गेम में ब्रेक हासिल कर उन्होंने 3-0 की बढ़त बना ली और अडकर की गलतियों

का फायदा उठाते हुए 6-0 से पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआती ब्रेक लेकर नियंत्रण कायम रखा। अडकर ने तीसरे गेम में सर्विस होल्ड कर संघर्ष के संकेत दिए और चौथे गेम में तीन ब्रेक प्वाइंट भी हासिल किए, लेकिन वैंडविंकेल ने संयम दिखाते हुए वापसी की और 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखा और सातवें गेम में दूसरा मैच प्वाइंट भुनाते हुए महज एक घंटे से कुछ अधिक समय में मुकाबला समाप्त कर दिया।खिताब जीतने पर वैंडविंकेल को 100 डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक और 15,239 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। उपविजेता अडकर को 65 अंक और 8,147 अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए, जिससे उनकी रैंकिंग में बड़ा सुधार होगा। मैच के बाद वैंडविंकेल ने कहा कि वह शुरुआत से ही सतर्क थीं क्योंकि अडकर ने टूर्नामेंट में कई मजबूत खिलाड़ियों को हराया था। वहीं अडकर ने इस सप्ताह को अपने करियर के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कठिन वर्ष के बाद यह प्रदर्शन उनके आत्मविश्वास को नई मजबूती देगा।भले ही फाइनल में जीत न मिल सकी, लेकिन अडकर का यह ऐतिहासिक प्रदर्शन भारतीय महिला टेनिस के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। अनुमान है कि वह पहली बार शीर्ष 500 में प्रवेश करेंगी और देश की दूसरी सर्वोच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन सकती हैं।

डीसीसीआई ने दृष्टिबाधित क्रिकेट के लिए सपोर्ट फ्रेमवर्क का स्वागत किया

एजेंसी

नई दिल्ली। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के दृष्टिबाधित क्रिकेट को सहयोग के फैसले का स्वागत किया है।डीसीसीआई के संस्थापक सदस्यों में से एक भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) के लिए बीसीसीआई ने एक सपोर्ट फ्रेमवर्क की घोषणा की है। इस पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर, घरेलू सीरीज के आयोजन में सहायता और स्टेडियम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।बीसीसीआई ने कहा है कि यह पहल क्रिकेट में सबको साथ लेकर चलने की अहमियत को दिखाती है। इसकी वकालत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह ने बीसीसीआई के सचिव के तौर पर अपने समय में की थी। आईसीसी में अपनी भूमिका में भी इसका समर्थन करते रहे हैं। डीसीसीआई के अधिकारियों ने भी इस कदम की सराहना की और कहा कि यह पहल दृष्टिबाधित क्रिकेटरों के लिए मौके और पेशेवर रास्ते मजबूत करती है। डीसीसीआई के महासचिव रवि कांत चौहान ने कहा कि जय शाह एक सोच, एक विश्वास और एक बदलाव को दिखाते हैं। जब नेतृत्व पद से ऊपर उठकर मकसद से चलती है, तो इतिहास बनता है।

उनके विजन ने हमेशा दिखाया है कि साफ दिशा और मजबूत इरादे से खेल में अच्छा बदलाव लाया जा सकता है। डीसीसीआई के उपाध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि सिर्फ काम करने और काम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में बहुत फर्क है। उनके नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट- खासकर महिला क्रिकेट ने जबरदस्त तरक्की देखी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को दिया 50 लाख रुपये का पुरस्कार

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प सभागार' में आयोजित समारोह में अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप-2026 की विजेता भारतीय टीम के सदस्य वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये का चेक और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।मुख्यमंत्री ने वैभव सूर्यवंशी को बधाई देते हुए कहा कि अंडर-19 वर्ल्ड कप-2026 में भारत की जीत में बिहार के इस युवा क्रिकेटर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वैभव अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर भारतीय क्रिकेट की नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे भविष्य में भारतीय टीम के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करें और देश का नाम रोशन करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है कि बिहार के बेटे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने वैभव को बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणा बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नीतीश कुमार ने कहा

कि राज्य में आधुनिक और विश्वस्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कराया जा रहा है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए सरकार उन्हें हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार आगे भी खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देती रहेगी।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविन्द्रण शंकरण, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधि राकेश तिवारी सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

समारोह में वैभव सूर्यवंशी के पिता संजीव सूर्यवंशी, भाई उज्ज्वल एवं आशीर्वाद सूर्यवंशी तथा अभिजीत डिसूजा भी उपस्थित रहे।

टी-20 विश्व कप : सुपर आठ मुकाबले में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रन से हराया

एजेंसी

पल्लेकेले (श्रीलंका)। इंग्लैंड की टीम ने गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की मदद से आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप 2026 के सुपर आठ मुकाबले में श्रीलंका को 51 रन से हरा दिया। श्रीलंका के पल्लेकेले स्थित पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 16.4 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। मुकाबले में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का निर्णय लिया। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। साल्ट ने 40 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। उनके अलावा विल जैक्स ने 21, हैरी ब्रूक ने 14, सैम करन ने 11, जोस बटलर ने 7, लियाम डॉसन ने 6, टॉम बैंटन ने 6 और जैकब बैथेल ने 3 रन बनाए। जैमी ओवरटन 10 रन और आदिल रशीद एक रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की ओर से दुनिथ वेलालागे ने तीन विकेट लिए, जबकि दिलशान मदुशांका और महीश तीक्षणा को दो-दो सफलता मिली। दुश्मंता चमीरा ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की बल्लेबाजी खराब रही। टीम के पांच बल्लेबाज पथुम निसांका (09), कामिल मिशारा (06), कुसल मेंडिस (04), दूषण हेमंथा (05), दुष्मंथा चमीरा (06) दहाई अंक तक नहीं पहुंच सके और दो बल्लेबाज दिलशान मदुशंका, पवन रथनायके बिना खाता खोले आउट हुए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान दासुन शनाका ने

बनाए। उन्होंने 24 गेंदों में 30 रन की पारी खेली। कामिंदु मेंडिस ने 13, दुनिथ वेलालागे ने 10 और तीक्षणा ने नाबाद 10 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स ने तीन विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, लियाम डॉसन और आदिल राशिद को दो-दो सफलता मिली। जैमी ओवरटन को एक विकेट मिला।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मोनजुरुल इस्लाम पर लगाया प्रतिबंध, जहांआरा आलम के आरोपों के बाद कार्रवाई

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और महिला टीम के पूर्व चयनकर्ता मोनजुरुल इस्लाम को अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष क्रिकेट गतिविधि में शामिल होने से प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला पूर्व बांग्लादेश महिला कप्तान जहांआरा आलम द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के बाद लिया गया।

बीसीबी की ओर से यह घोषणा शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित बोर्ड बैठक के बाद की गई। बोर्ड ने एक स्वतंत्र जांच समिति गठित की थी, जिसने 2022 विश्व कप के दौरान कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायत की जांच की। जांच समिति ने जहांआरा आलम द्वारा लगाए गए चार आरोपों की समीक्षा की। इनमें से दो आरोप पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में सिद्ध नहीं हो सके, जबकि शेष दो मामलों में प्रथम दृष्टया अनुचित

आचरण के प्रमाण पाए गए। समिति ने अपने निष्कर्ष में कहा कि इस्लाम का व्यवहार पेशेवर मानकों के अनुरूप नहीं था और वह प्रासंगिक सुप्रीम कोर्ट दिशानिर्देशों के तहत दुराचार और उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। मोनजुरुल इस्लाम महिला टीम के चयनकर्ता और प्रबंधक के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनका बीसीबी के साथ अनुबंध 30 जून 2025 को समाप्त हो चुका था। बीसीबी ने अपने बयान में कहा कि स्वतंत्र जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर इस्लाम को बीसीबी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी क्रिकेट संबंधी गतिविधियों से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि समिति की सिफारिशों की समीक्षा जारी है और आवश्यक होने पर अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे। इस बैठक में बोर्ड ने 2026 में आयोजित होने वाली महिला बांग्लादेश प्रीमियर लीग के पहले संस्करण के कार्यक्रम को भी मंजूरी दी। यह टूर्नामेंट 4 से 14 अप्रैल 2026 तक ढाका और चट्टोग्राम में आयोजित किया जाएगा। साथ ही, बीसीबी ने राष्ट्रीय चयन पैनल के अध्यक्ष गाजी अशरफ हुसैन के कार्यकाल में एक महीने का विस्तार करने की भी पुष्टि की। उनका कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त होना था। बोर्ड ने कहा कि इस दौरान उनके उत्तराधिकारी की तलाश और चयन पैनल के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

भारतीय ए टीम ने जीता महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स-2026 का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय-ए महिला क्रिकेट टीम ने एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ए ने बांग्लादेश-ए को 46 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया।

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय ए महिला टीम ने 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर ऑलआउट हो गई।खिताबी मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय ए महिला टीम ने धीमी शुरुआत की। टीम ने पांच ओवर में 30 रन जोड़े। छठे ओवर में टीम का पहला विकेट गिरा। वृंदा दिनेश 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गई हैं। इसके अगले ओवर में भारतीय टीम की 2 बल्लेबाज आउट हो गईं। ओवर की पहली गेंद पर नंदिनी कश्यप रन आउट हो गईं। दूसरी गेंद पर मिन्नू मणि बिना खाता खोले आउट हो गईं। नंदनी ने 8 रन बनाए। 44 रन के स्कोर पर अनुष्का शर्मा भी 8 रन की पारी खेलकर आउट हुईं।भारतीय टॉप आर्डर लड़खड़ाने के बाद तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव ने पारी को संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने धैर्य दिखाते हुए शानदारी बल्लेबाजी की और टीम के स्कोर को 100 रन के पार ले गए। हालांकि राधा यादव बड़ा शॉट खेलने के दौरान कैच आउट हो गईं। कप्तान ने 30 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 36 रन की पारी खेली। तेजल ने अर्धशतक जड़ते हुए टीम के स्कोर को सात विकेट पर 134 रन तक पहुंचाया। वह 34 गेंदों 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नाबाद रहीं। तनुजा कंवर ने एक रन और प्रेमा रावत ने चार रन का योगदान दिया।

टी20 विश्व कपः मिलर-यानसेन का जलवा, अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रन से रौंदा

एजेंसी

अहमदाबाद। 2026 पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर एट मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 76 रन से करारी शिकस्त दी। 90,954 दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में मिली यह हार भारत की 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट में पहली पराजय है। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को यानसेन ने 4/22 की घातक गेंदबाजी की, जबकि डेविड मिलर (63) और डेवॉल्ड ब्रेविस (45) ने 20/3 की खराब शुरुआत के बाद 97 रनों की साझेदारी कर टीम को 187/7 तक पहुंचाया। अंतिम ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स ने हार्दिक पांड्या पर चौका और दो छक्के जड़कर स्कोर को प्रतिस्पर्धी बनाया।

भारत की ओर से जसप्रित बुमराह (3/15) और अर्शदीप सिंह (2/28) ने अच्छी गेंदबाजी की,

लेकिन अन्य गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका की जवाबी रणनीति पर अंकुश नहीं लगा सके। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 51/5 पर सिमट गई। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर संघर्ष किया, परंतु भारत 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की जीत में केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2 विकेट) का भी अहम योगदान रहा। कप्तान एडेन मार्करम ने गेंदबाजों का प्रभावी रोटेशन कर भारतीय बल्लेबाजों को जमने नहीं दिया।

मैच के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन बल्लेबाजी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। उन्होंने माना कि पावरप्ले में ज्यादा विकेट गंवाना महंगा साबित हुआ।

इस हार के साथ भारत की टी20 विश्व कप में 12 मैचों की जीत का सिलसिला टूट गया। अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने शेष मुकाबले–जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ–हर हाल में जीतने होंगे, खासकर तब जब नेट रन रेट -3.8 तक गिर चुका है।

एफआईएच प्रो लीगः पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5-4 से हराया

एजेंसी

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)। होबार्ट के तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेले गए एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। मैच के अंत तक दोनों टीमें 2-2 के स्कोर से बराबरी पर थीं। भारत की तरफ से अमित रोहिदास (15वें मिनट) और जुगराज सिंह (43वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोएल रिंटाला (47वें और 56वें मिनट) के दो गोलों से स्कोर बराबर हो गया। मैच के शुरुआती समय में मेजबान टीम ने दबदबा बनाया और लगातार मजबूत पासिंग से भारत को अपने हाफ में सीमित रखा। हालांकि, भारतीय टीम ने दृढ़ रक्षात्मक खेल के साथ आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाना शुरू

किया। पहले क्वार्टर के अंत में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला और अमित रोहिदास ने 15वें मिनट में शानदार गोल दागकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने मौके बनाए। हालांकि दोनों ओर से कोई गोल नहीं हुआ। भारतीय टीम ने रक्षात्मक खेल दिखाते हुए हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बरकरार रखी। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया और लगातार बराबरी के प्रयास किए, लेकिन 43वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर से एक जोरदार ड्रैगफ्लिक शॉट लगाकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया।चौथे क्वार्टर में 47वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के जोएल रिंटाला ने गोल करके अंतर को कम करने में कामयाबी हासिल की। मैच के अंतिम मिनटों में रिंटाला ने पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबरी कर दिया। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

T20World Cup : सुपर-8 से पहले पाकिस्तान में तनाव, पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने खोली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच पाकिस्तान टीम के डगआउट का एक वीडियो चर्चा में है, जिसमें कप्तान सलमान अली आगा निराशा में बोतल फेंकते नजर आए। इस घटना पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ Manoj Tiwary ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तिवारी का मानना है कि पाकिस्तान टीम के भीतर स्पष्टता और भरोसे की कमी दिखाई दे रही है और इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख को जिम्मेदार ठहराया। तिवारी ने कहा कि किसी भी देश की टीम आगे बढ़ना चाहती है तो उसके नेतृत्व में स्पष्टता और दृढ़ता होनी चाहिए। उनके मुताबिक खिलाड़ियों को आजादी और स्पष्ट भूमिका नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा मुख्य कोच स्द्धद्गद्द Hesson टीम को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन शीर्ष स्तर पर फैसलों में स्पष्टता नहीं दिख रही। तिवारी ने यह भी कहा कि कप्तान सलमान अली आगा और कोच के बीच निराशा का जो दृश्य सामने आया, वह दर्शाता है कि टीम के भीतर विश्वास की कमी है। हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने वायरल वीडियो को लेकर सफाई दी है। उनके अनुसार कप्तान सलमान अली आगा खुद के आउट होने से निराश थे और उसी वजह से उन्होंने बोतल जमीन पर फेंकी। हेसन ने बताया कि उस समय वे मोहम्मद नवाज़ को बल्लेबाज़ी के लिए तैयार रहने के बारे में बात करने जा रहे थे।

दो दिवसीय प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता में अयोध्या ग्रामीण की टीम बनी विजेता

एजेंसी

बाराबंकी। विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल अवध प्रांत की दो दिवसीय प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता पुलिस लाइन ग्राउंड बाराबंकी के मैदान में सम्पन्न हुई। प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने विजेता अयोध्या ग्रामीण की टीम के प्रतिभागियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

दूसरे दिन की प्रतियोगिता का शुभारम्भ विश्व हिन्दू परिषद प्रान्त संगठन मंत्री विजय प्रताप ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप ने कहा कि खेलों का आज देश में बड़ा महत्व है। देश की युवा तरुणाई खेलों की विभिन्न विधाओं की प्रतिस्पर्धाओं में देश का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सब बल के देवता पवन पुत्र हनुमान के उपासक हैं। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की मेहनत अभिनन्दनीय है। यह सतत प्रेरणा का प्रवाह रहने वाला है। हर वर्ष बजरंग दल के युवाओं के लिए यह कबड्डी प्रतियोगिता होगी। खेल का

स्वस्थ जीवन में हम योगदान है। देश की बहनों ने खेलकूद में जीतकर विश्व में भारत को स्थापित किया।

बजरंग दल की इस दो दिवसीय प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रांत की 24 टीमों ने प्रतिभा किया। सेमीफाइनल का मैच बाराबंकी उन्नाव एवं लखनऊ दक्षिण अयोध्या ग्रामीण के मध्य हुआ।

उन्नाव और अयोध्या ग्रामीण के बीच फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अयोध्या ग्रामीण ने 6 अंक अधिक हासिल कर जीत दर्ज की। विजेता अयोध्या ग्रामीण की टीम ने 26 अंक व उपविजेता टीम उन्नाव ने 20 अंक प्राप्त किए।

प्रतियोगिता में निर्णायक व कोच की भूमिका में अमर बहादुर सिंह, अनिल कुमार सिंह, तुलसीराम, राजेंद्र त्रिपाठी, मनोज चौधरी, अमृतलाल यादव, संजीव चौधरी, आनंद कुमार पांडे, कुलदीप प्रताप सिंह एवं शिवा गौतम ने बेहतर भूमिका निर्वहन किया। प्रतियोगिता का संचालन विहिप जिला मंत्री राहुल कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, जिला कार्यवाह सुधीर,विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश,जिलाध्यक्ष रामनाथ मौर्य,वीएचपी जिला मंत्री राहुल कुमार,अखिलेश प्रताप,राहुल विक्रम ब्रह्मप्रकाश तुषार तिवारी तुलसीराम राजेंद्र सौरभ अखंड विनय चंद्रशेखर उदय प्रताप सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

एफपीआई ने फरवरी में की 31,815 करोड़ रुपये की लिवाली

एजेंसी

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय पूंजी बाजार में 31,815 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की। शुद्ध लिवाली लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने फरवरी में 16,912 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी है। डेट में भी उनका निवेश 15,859 करोड़ रुपये बढ़ा है। वहीं, हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 1,280 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। म्यूचुअल फंड में उनका शुद्ध निवेश 325 करोड़ रुपये रहा है। दो महीने बाद एफपीआई लिवाल दिख रहे हैं। इससे पहले जनवरी में उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में 29,071 करोड़ रुपये और दिसंबर 2025 में 38,721 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी।

ऑटो पीएलआई योजना पर डीप-टेक स्टार्टअप इंडस्ट्री ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। देश की डीप-टेक कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप ने भारी उद्योग मंत्रालय से मांग की है कि बजट में आवंटित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई स्कीम) के फंड का पूरा उपयोग किया जाए। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि पिछले साल घोषित पीएलआई स्कीम के फंड का केवल 10 प्रतिशत ही वास्तव में उपयोग किया गया, वह भी कुछ खास उद्योगों को ही इसका फायदा मिला। इस कारण उत्पादन प्रोत्साहन को बल नहीं मिला। 2026-27 के बजट में पीएलआई स्कीम के लिए 5939 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि यदि इस फंड का उपयोग सही से हो जाए तो भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों और उससे जुड़े उद्योगों में जबरदस्त तेजी आ सकती है। 2026 की शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, ईवी स्टार्टअप के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत धन का उपयोग काफी कम रहा। अनुमान के मुताबिक आवंटित राशि का लगभग 10 प्रतिशत ही वितरित हो सका, उसमें भी एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी के क्षेत्र में तो आवंटन लक्ष्य का केवल 2.8 प्रतिशत ही प्रोत्साहन राशि का वितरण हो सका। बजट बढ़ोतरी के बावजूद वित्त वर्ष 2026 के अंत तक पीएलआई योजना राशि का केवल 12 प्रतिशत ही उपयोग हो पाएगा। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि केवल आवंटन बढ़ाने से इस इंडस्ट्री में तेजी नहीं आएगी।

ग्लोबल टेंशन के बीच सोने-चांदी में तेजी के आसार

नई दिल्ली। शुरू हफ्ते में सोना और चांदी की कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और अनिश्चितता के बीच निवेशक सुरक्षित विकल्पों यानी सेफ-हेवन की ओर रुख कर रहे हैं. विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका द्वारा वैश्विक टैरिफ बढ़ाने के फैसले और मिडिल ईस्ट में बढ़ते जियो पॉलिटिकल टेंशन ने बाजार में डर का माहौल बनाया है, जिसका सीधा फायदा कीमती धातुओं को मिल रहा है. ऐसे माहौल में सोना और चांदी पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश माने जाते हैं, इसलिए इनकी मांग बढ़ रही है.दूसरे फैक्टर भी तय करेंगे दिशाबाजार की दिशा तय करने में आने वाले दिनों में कुछ अहम आर्थिक आंकड़े भी बड़ी भूमिका निभाएंगे. निवेशकों की नजर खास तौर पर अमेरिका के प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (PPI), उपभोक्ता विश्वास से जुड़े आंकड़ों, साप्ताहिक बेरोजगारी दावों और चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों पर लिए जाने वाले फैसले पर रहेगी. इन संकेतों से वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति और ब्याज दरों के भविष्य का अंदाजा लगेगा, जो सीधे तौर पर सोना-चांदी की कीमतों को प्रभावित करता है।

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को दिया जाएगा उद्योग का दर्जा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश दलहन एवं तिलहन उत्पादन में भी देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए सरकार पुरजोर प्रयास कर रही है। उन्होंने निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में निवेश करें, राज्य शासन द्वारा हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में आयोजित ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योग बढ़ाने सहित खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा।

डिजिटल कौशल से जुड़ने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू, जयंत चौधरी ने किया शुभारंभ, अमिताभ बच्चन होंगे चेहरा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने देश में डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने के लिए 'बढ़ना है तो यहां जुड़ना है' नाम से राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान किया गया। इसका उद्देश्य स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से युवाओं और नागरिकों को डिजिटल कौशल, रोजगार और आजीवन सीखने के अवसरों से जोड़ना है।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि स्किल इंडिया डिजिटल हब देश का एकीकृत डिजिटल कौशल मंच है। इस पर अब तक 1.5 करोड़ से अधिक अभ्यर्थी

पंजीकरण करा चुके हैं। यह मंच नागरिकों को कौशल बढ़ाने, नए कौशल सीखने और रोजगार के अवसरों से जुड़ने की सुविधा देगा। इसके लिए बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को जोड़ा गया है।

इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा कि भारत की डिजिटल क्षमता को इंडिया स्टैक और स्किल इंडिया डिजिटल हब जैसे मंचों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। ये मंच बड़े स्तर पर कौशल विकास और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में सहायक बने हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान हर भारतीय को इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने और अपने विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। मंत्रालय के अनुसार स्किल इंडिया डिजिटल हब मोबाइल आधारित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम मंच है। इसमें विभिन्न सरकारी कौशल योजनाओं को एकीकृत किया गया है। यह मंच उद्योग आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। साथ ही अभ्यर्थियों को उनकी रुचि और करियर के अनुसार व्यक्तिगत सुझाव देता है। इस मंच पर डिजिटल प्रमाणपत्र, क्यूआर कोड आधारित डिजिटल जीवनवृत्त, आधार आधारित ई-केवाईसी पंजीकरण और मोबाइल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन की सुविधा उपलब्ध है। यह मंच 21 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को समान अवसर मिल रहे हैं। यह मंच विद्यार्थियों, स्नातकों, नौकरीपेशा लोगों और उद्यमियों सभी के लिए उपयोगी है। इसका उद्देश्य कौशल और रोजगार से जुड़ी सेवाओं को एक मंच पर उपलब्ध कराना है। इससे सूचना, भाषा और पहुंच से जुड़ी बाधाएं दूर हो रही हैं।

भारत-ब्राजील के बीच डाक क्षेत्र में समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील ने डाक क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। संचार मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच डाक सेवाओं, डिजिटल परिवर्तन और समावेशी सेवा वितरण में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और ब्राजील के संचार मंत्री फ्रेडरिको डी सिकेरा फिल्हो ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। समझौता ज्ञापन में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान, डिजिटल परिवर्तन, सार्वभौमिक सेवा, क्षमता निर्माण, संयुक्त परियोजनाएं, वैश्विक समन्वय और दक्षिण-दक्षिण सहयोग करने का प्रावधान शामिल है। यह समझौता प्रारंभ में पांच वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगा। इसमें स्वतः नवीनीकरण का प्रावधान होगा और इसे दोनों देशों के कानूनों तथा विनियमों के अनुसार कार्यान्वित किया जाएगा। यह रणनीतिक साझेदारी न केवल भारत और ब्राजील के डाक नेटवर्क को आधुनिक बनाएगी।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में कमी का असर

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा आयात शुल्क में कमी के कारण अगले सप्ताह भी तेजी जारी रहने की उम्मीद है।अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाये गये ऊंचे आयात शुल्कों प्रशासनिक आदेशों को रद्द कर दिया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को 150 दिन के लिए सभी देशों पर एक समान 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके लिए जारी आदेश में कहा गया है कि यह दर 24 फरवरी से लागू होगी। श्री ट्रंप ने 21 फरवरी को सोशल मीडिया पर बताया कि 10 प्रतिशत को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है, हालांकि इसके लिए अबतक कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। यह देखते हुए कि भारत के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते में अमेरिका ने 18 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया है, दरों में और कमी से निवेशक बाजार में लिवाल रह सकते हैं।बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 187.95 अंक (0.23 फीसदी) की साप्ताहिक बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 100.15 अंक यानी 0.39 फीसदी चढ़कर 25,571.25 अंक पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में गिरावट रही। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.18 प्रतिशत फिसल गया। ऑटो, आईटी और मीडिया समूहों में साप्ताहिक गिरावट रही जबकि बैंकिंग, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य, धातु और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे। खासकर सार्वजनिक बैंकों में जबरदस्त तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में सप्ताह के दौरान एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 4.97 प्रतिशत चढ़ा। आईटीसी में 4.27 फीसदी, पावर ग्रिड में चार प्रतिशत, एनटीपीसी में 2.78 फीसदी, एशियन पेंट्स में 2.71 फीसदी, एक्सिस बैंक में 2.58 फीसदी और टाटा स्टील में 2.49 फीसदी की बढ़त रही। बजाज फिनसर्व का शेयर 1.67 प्रतिशत, सनफार्मा का 1.55, भारतीय स्टेट बैंक का 1.45, बीईएल का 1.32 और टाइटन का 1.30 प्रतिशत की तेजी में रहा। एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी बढ़त में रहे। इटरनल में सबसे ज्यादा 5.70 प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा का शेयर 5.09 प्रतिशत, ट्रेंट का 3.82, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 3.42, मारुति सुजुकी का 1.58, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट दोनों का 1.54, आईसीआईसीआई बैंक का 1.47, भारती एयरटेल का 1.34, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.23 और इंफोसिस का 1.22 प्रतिशत टूट गया।

खड़गपुर आईआईटी में डीआरडीओ उद्योग-शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

एजेंसी

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के सहयोग से स्थापित डीआरडीओ उद्योग-शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह पहल भारत के स्वदेशी रक्षा अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डिफेंस रिसर्च एंड डिवेल्पोपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष डॉ. एस. वी. कामत ने किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सुमन चक्रवर्ती, तकनीक प्रबंधन महानिदेशक एल. सी. मंगल, भावी प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. एन. रंजना, उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक प्रो. दीपक दास सहित शिक्षा, उद्योग और रक्षा अनुसंधान क्षेत्र के कई विशेषज्ञ मौजूद रहे। यह उत्कृष्टता केंद्र देश के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और स्टार्ट-अप्स की विशेषज्ञता को जोड़ते हुए रक्षा अनुप्रयोगों के लिए भविष्य उन्मुख और अत्याधुनिक तकनीकों के विकास पर काम करेगा। केंद्र सहयोगात्मक मंच के रूप में कार्य करते हुए अनुप्रयुक्त अनुसंधान को गति देगा, नवाचार को बढ़ावा देगा और भारत की रणनीतिक तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करेगा। उद्घाटन के बाद मानवरहित जलमग्न वाहनों की तकनीकों में प्रगति और भविष्य की प्रवृत्तियां विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों ने स्वायत्त जलमग्न प्रणालियों, उन्नत सेंसर, रोबोटिक एक्ट्यूएटर्स तथा भविष्य की अनुसंधान दिशाओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में डीआरडीओ-शिक्षा-उद्योग साझेदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया कि इस तरह की पहलें भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और भविष्य के लिए तैयार तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। संस्थान के निदेशक सुमन चक्रवर्ती ने कहा कि यह केंद्र अकादमिक उत्कृष्टता को राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकताओं से जोड़ने की दिशा में परिवर्तनकारी कदम है। उनके अनुसार, यह पहल उभरती रक्षा तकनीकों में उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान को गति देने के साथ नवाचार, अंतःविषय सहयोग और स्वदेशी क्षमता विकास को मजबूत करेगी। उत्कृष्टता केंद्र की शुरुआत के साथ संस्थान ने शोध आधारित नवाचार में अपनी अग्रणी भूमिका को और मजबूत करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 63 हजार करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से छह कंपनियों के मार्केट कैप में 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा लार्सन एंड टूब्रो और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को हुआ। इसी तरह दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर रही। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल चार कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 38 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 63,478.46 करोड़ रुपये की

बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मार्केट कैप में 38,752.29 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 16 फरवरी से 20 फरवरी के बीच हुए कारोबार के दौरान लार्सन एंड टूब्रो का मार्केट कैप 28,523.31 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,02,552.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 16,015.12 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,22,581.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 9,617.56 करोड़ रुपये की मजबूती के साथ 14,03,239.48 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 5,977.12 करोड़ रुपये उछल कर 5,52,203.92 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 3,142.36 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 6,40,387 करोड़ रुपये के स्तर पर और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 202.99 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,21,678.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।दूसरी ओर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 15,338.66 करोड़ रुपये घट कर 11,27,705.37 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 14,632.10 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 9,97,346.67 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप 6,791.58 करोड़ रुपये गिर कर 5,48,496.14 करोड़ रुपये के स्तर पर और टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,989.95 करोड़ रुपये की कमी के साथ 9,72,053.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,21,678.78 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

गिफ्ट निफ्टी ने बनाया कारोबार का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

गांधीनगर। गिफ्ट निफ्टी ने 20 फरवरी को 23.48 अरब डॉलर के साथ कारोबार का नया रिकॉर्ड कायम किया। एनएसई अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंज (एनएसईआईएक्स) की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 20 फरवरी को गिफ्ट निफ्टी में कुल 4,57,989 अनुबंधों के तहत 23.48 अरब डॉलर (तकरीबन 2,13,587 करोड़ रुपये) का कारोबार हुआ। यह अपने-आप में नया रिकॉर्ड है।

गिफ्ट निफ्टी ने अपना दो साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि 23 जनवरी 2024 को 22.88 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था।गिफ्ट निफ्टी गुजरात के गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (गिफ्टी आईएफएससी) में एनएसईआईएक्स का मुख्य सूचकांक है। गिफ्ट सिटी एक तरह से देश के अंदर संचालित होने वाला अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार है जिसमें कारोबार मुख्यतः डॉलर में होता है। वहां एनएसई अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंज

की स्थापना 05 जून 2017 को हुई थी। गिफ्ट आईएफएससी में इसकी बाजार हिस्सेदारी 99.6 प्रतिशत से अधिक है। गिफ्ट निफ्टी का पूर्ण संचालन 03 जुलाई 2023 को शुरू हुआ था। विज्ञप्ति के अनुसार, इसमें अबतक छह करोड़ से ज्यादा अनुबंधों के माध्यम से कुल 2.76 लाख करोड़ डॉलर का कारोबार हो चुका है।

इस सप्ताह नौ कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, चार शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार यानी 23 फरवरी से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह नौ कंपनियां अपने आईपीओ को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर रही हैं। इनमें चार कंपनी मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि पांच कंपनी एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए दो आईपीओ में भी 24 फरवरी तक बोली लगाने का मौका रहेगा। जहां तक इस सप्ताह शेयर बाजार में होने वाली लिस्टिंग की बात है, तो चार कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कामकाज की शुरुआत करने जा रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 फरवरी को किआसा रिटेल का 69.72 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 121 रुपये से लेकर 127 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इसी दिन श्रीराम ट्विस्टेक्स का 110.24 करोड़ रुपये आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 104 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 144 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। 23 फरवरी को ही क्लीन मैक्स इनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का 3,100 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 1,000 रुपये से लेकर 1,053 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 14 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इसी दिन मोबिलाइज ऐप का 20.10 करोड़ रुपये आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 मार्च को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। 23 फरवरी को ही अकॉर्ड ट्रांसफॉर्मर एंड स्विच गियर का 25.59 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 43 रुपये से लेकर 46 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है।

चावल, दालों में साप्ताहिक तेजी, चीनी नरम, खाद्य तेलों में घटबढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ दालों में भी तेजी रही। गेहूं की कीमत लगभग स्थिर रही। चीनी में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 83 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,836 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,858 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा 13 रुपये गिरकर 3,328 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा। सोया तेल की औसत कीमत 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। पाम ऑयल में 145 रुपये और सूरजमुखी तेल में 100 रुपये की गिरावट रही। मूंगफली तेल 99 रुपये सस्ता हुआ।

सरसों तेल 56 रुपये और वनस्पति 53 रुपये फिसल गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल औसतन 79 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। उड़द दाल 64 रुपये और चना दाल 46 रुपये मजबूत हुई। मसूर दाल की कीमत 38 रुपये और मूंग दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव लगभग स्थिर रहे। वहीं, चीनी 14 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

भारतीय डाक के पास 38 करोड़ बचत खातों में 22 लाख करोड़ रुपयेः केंद्रीय मंत्री

एजेंसी

गुंटूर (आंध्र प्रदेश)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि भारतीय डाक के पास लगभग 38 करोड़ बचत खाते हैं, जिनमें 22 लाख करोड़ रुपये की धनराशि जमा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारतीय डाक में सुकन्या समृद्धि योजना के 3.8 करोड़ खाते हैं, जिनमें 2.27 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। सुकन्या समृद्धि योजना एक सरकारी बचत योजना है, जो लड़कियों के माता-पिता के लिए बनाई गई है। इसके जरिए वे अपनी बेटी की पढ़ाई और भविष्य के लिए पैसे बचा सकते हैं।

ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन में सिंधिया ने बताया कि भारतीय डाक का मेल नेटवर्क तेजी से आधुनिक बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए डाक को आसानी से और जल्दी छांटने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, साथ ही रेडियो आवृत्ति पहचान (आरएफआईडी), बारकोड और क्यूआर कोड जैसी प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि डाक सेवाओं की गति और गुणवत्ता बेहतर हो सके।केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''डाकघर बचत बैंक खातों की संख्या लगभग 38 करोड़ है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में, यह महत्वपूर्ण है। देश भर में ग्रामीण डाक सेवकों द्वारा 22 लाख करोड़ रुपये का प्रबंधन किया जा रहा है।''

कैट को होली पर 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के कारोबार का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। रंगों का त्योहार होली देशभर के व्यापारियों के लिए बड़ी सौगात लेकर आ रहा है। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक इस साल होली पर बाजारों में 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के कारोबार की उम्मीद है। ये आंकड़ा पिछले साल के 60 हजार करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत अधिक है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने जारी बयान में कहा कि होली के त्योहार पर इस साल देशभर में करीब 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के करीब 60 हजार करोड़ रुपये के व्यापार की तुलना में लगभग 25 फीसदी अधिक है।

खंडेलवाल ने कहा कि इस बार होली पर भारतीय निर्मित हर्बल गुलाल, प्राकृतिक रंग, पिचकारियां, गुब्बारे, चंदन, पूजन सामग्री, परिधान तथा अन्य स्वदेशी उत्पादों

की बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही है, जबकि वर्ष 2021 से पहले देशभर के बाजारों में चीनी सामान का वर्चस्व हुआ करता था। होली से संबंधित वस्तुओं के अलावा मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, गिफ्ट आइटम, फूल-फल, कपड़े, फर्निशिंग फैब्रिक, किराना, एफएमसीजी उत्पादों तथा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की भी बाजारों में भारी मांग देखी जा रही है।

खंडेलवाल ने कहा कि कैट के अनुमान के अनुसार केवल दिल्ली में ही लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। शहर के थोक और खुदरा बाजार रंग-बिरंगे गुलाल, आकर्षक पिचकारियों, गुजिया की मालाओं और ड्राई फ्रूट पैकों से सजे हुए हैं तथा दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। मिठाई की दुकानों पर भी विशेष रूप से होली की पारंपरिक मिठाई 'गुजिया' की बिक्री में बड़ा उछाल आया है।

कैट महामंत्री ने बताया कि देशभर में होली मिलन समारोह बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं। दिल्ली में ही विभिन्न व्यापारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संगठनों द्वारा 3000 से अधिक होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके चलते बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस, होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक पार्क लगभग पूरी तरह बुक हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में होलिका दहन 3 मार्च को होगा और रंगों की होली 4 मार्च को खेली जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में त्योहार केवल सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं होते बल्कि वे आर्थिक गतिविधियों को भी गति देते हैं।

निक जोनास 'जुमांजी 3' में फिर से काम करेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन। हॉलीवुड गायक-अभिनेता निक जोनास 'जुमांजी' के अगले भाग में फिर से काम करेंगे। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि वह ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी के अगले भाग में जेफरसन 'सीप्लेन' मैकडोनो की अपनी भूमिका को फिर से अभिनीत करेंगे। फिल्म 11 दिसंबर, 2026 को विश्व स्तर पर रिलीज होगी। निक जोनास ने सोशल मीडिया पर एक्शन-एडवेंचर सीरीज में अपनी वापसी की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'हम वापस आ रहे हैं। जुमांजी राउंड 3' में। उन्होंने पायलट अवतार में वापस आने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उनकी अभिनेत्री पत्नी प्रियंका चोपड़ा ने उन्हें प्रोत्साहित किया। नयी फिल्म 'जुमांजी 3' का प्रोडक्शन नवंबर 2025 में लॉस एंजिल्स में शुरू हुआ और अभी इसकी शूटिंग चल रही है। जोनास पहली बार फ्रैंचाइजी के रिवाइवल में सीप्लेन के रूप में दिखाई दिए थे और तब से वे इसका एक अहम हिस्सा बन गए हैं। वे सह अभिनेता ड्वेन 'द रॉक' जॉनसन, जैक ब्लैक, केविन हार्ट और कैरेन गिलन के साथ फिर से जुड़ेंगे।

ईरान और आईएईए के बीच परमाणु समझौते के लिए सार्थक सहभागिता और नये तंत्र पर चर्चा

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने स्थायी परमाणु समझौते तक पहुंचने के लिए सार्थक सहभागिता और बातचीत पर जोर दिया है। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह की दूसरी फोन कॉल के दौरान दोनों पक्षों ने ईरान-अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता के ताजा घटनाक्रमों पर चर्चा की।आईआरएनए के मुताबिक, बुधवार को अपनी पिछली फोन कॉल में श्री अराघची और श्री ग्रॉसी ने जिनेवा में ईरान-अमेरिका अप्रत्यक्ष वार्ता के परिणामों की समीक्षा की और बातचीत के ढांचे का मसौदा तैयार करने और कार्यप्रणाली विकसित करने पर चर्चा की।श्री अराघची ने भविष्य की बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए प्रारंभिक और सुसंगत ढांचा विकसित करने पर ईरान के ध्यान केंद्रित करने की बात कही। श्री ग्रॉसी ने जिनेवा वार्ता को सकारात्मक बताया और वार्ता का ढांचा तैयार करने तथा इस प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए आईएईए की सहयोग की तैयारी का जिक्र किया। शुक्रवार को एमएसएनबीसी के साथ साक्षात्कार में श्री अराघची ने कहा कि ईरान दो-तीन दिनों के भीतर अमेरिका के साथ संभावित परमाणु समझौते का मसौदा तैयार करेगा और इसे अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को सौंप देगा। यह नये सिरे से हो रही बातचीत ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और मध्य पूर्व क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य जमावड़े के बीच हो रही है।

क्लाउनफिश की धारियां उनकी सामाजिक स्थिति को बताती हैः अध्ययन

टोक्यो। मछलियों को लेकर किये गये एक अध्ययन में पाया गया है कि क्लाउनफिश सामाजिक हैसियत को दिखाने, खतरों से बचने और संचार के लिए अपने रंगों के पैटर्न और आकार का उपयोग करती हैं। जापान की ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (ओआईएसटी) द्वारा किये गये इस अध्ययन की मुख्य लेखिका डॉ. लॉरी मिचेल बताती हैं, 'हमने पहले दिखाया है कि एनीमोनफिश (क्लाउनफिश की ही एक प्रजाति) एक-दूसरे को पहचानने के लिए धारियों को गिनती हैं। इसलिए, हम जानते हैं कि क्लाउनफिश की विशेषता वाली ये सफेद ऊर्ध्वाधर धारियां संचार के लिए आवश्यक हैं। ' पीएलओएस बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, कुछ एनीमोनफिश (क्लाउनफिश) प्रजातियां जब वे छोटी होती हैं तो उनके शरीर पर सफेद पट्टियाँ होती हैं। लेकिन लगभग एक-तिहाई प्रजातियों में ऐसा होता है कि जैसे-जैसे वे व्यस्क होती जाती हैं ये पट्टियाँ गायब हो जाती हैं। यह ज़्यादातर उन प्रजातियों में होता है जो छोटे समूहों में रहती हैं। छोटे समूहों में हर मछली का एक 'रैंक' या दर्जा होता है (कौन बड़ी है, कौन छोटी)। आकार का अंतर साफ दिखता है और अगर लड़ाई हो जाए तो छोटी मछली को ज़्यादा नुकसान हो सकता है।

हबल ने खोजी 99फीसदी डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी

नासा। नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से खगोलविदों ने अब तक की सबसे रहस्यमयी आकाशगंगाओं में से एक लगभग पूरी तरह डार्क मैटर से बनी घोस्ट गैलेक्सी सीडीजी-2 का पता लगाया है। पृथ्वी से करीब 300 मिलियन प्रकाश-वर्ष दूर पर्सियस गैलेक्सी क्लस्टर में स्थित यह बेहद धुंधली आकाशगंगा सामान्य तारों से नहीं, बल्कि चार सघन ग्लोब्युलर क्लस्टर्स के जरिए पहचानी गई। शुरुआती आकलन बताते हैं कि सीडीजी-2 की कुल द्रव्यमान का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डार्क मैटर है। इस खोज का विवरण द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित हुआ है। नासा के अनुसार आमतौर पर अधिकतर आकाशगंगाएं अरबों तारों की चमक से दूर-दूर तक दिखाई देती हैं, लेकिन कुछ विशेष आकाशगंगाएं इतनी फीकी होती हैं कि उन्हें पहचानना बेहद कठिन हो जाता है। इन्हें लो-सरफेस-ब्राइटनेस गैलेक्सी कहा जाता है। इनमें तारों की संख्या बहुत कम होती है और इनका अधिकांश द्रव्यमान डार्क मैटर से बना होता है।

नेपाल में तय समय पर ही होंगे आम चुनाव, मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले- चुनाव रोकने की खबर गलत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) रामप्रसाद भंडारी ने कहा कि आगामी चुनाव देश में सुशासन स्थापित करने और संविधान की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। किसी भी स्थिति में मतदान प्रक्रिया नहीं रुकेगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले-चुनाव रोकने की खबर गलत

काठमांडो में रविवार को भंडारी ने कहा कि चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद तरह-तरह की शंकाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं लेकिन इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में चुनाव का कोई विकल्प नहीं होता। कुछ असंतुष्ट तत्व चुनाव टलने की आशंका फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन नेपाली जनता ऐसे भ्रम का हिस्सा नहीं बनेगी।

पांच मार्च को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान

भंडारी ने कहा कि पांच मार्च को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि सुशासन की अपेक्षा रखने वाले नागरिकों को गुमराह कर अस्थिरता पैदा करने के प्रयास सफल नहीं होंगे। मीडिया से अपील करते हुए भंडारी ने मतदान से पहले मत सर्वेक्षण नहीं करने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव पूर्व ऐसे सर्वे मतदाताओं की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं और इससे चुनाव की निष्पक्षता पर असर पड़ता है।

गौर नगरपालिका में कर्फ्यू बरकरार

नेपाल में मधेश प्रांत की गौर नगरपालिका में सांप्रदायिक झड़पों के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालात को देखते हुए कर्फ्यू बरकरार है। हालांकि, इसमें सुबह 6.30 बजे से 8.30 बजे तक ढील दी गई है, ताकि लोग जरूरत के सामान खरीद सकें। जिला प्रशासन कार्यालय ने एक नोटिस जारी कर कहा कि पूर्वी मुदबलवा गेट, पश्चिमी लालबकैया बांध, बास नहर के उत्तर और गौर सीमा शुल्क कार्यालय के दक्षिण में निषेधाज्ञा रविवार सुबह साढ़े आठ बजे से अगले नोटिस तक प्रभावी रहेगी।

ट्रंप की टैरिफ नीति पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमेरिकी प्रमुख बंदरगाहों ने स्थिरता की मांग की

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आयात शुल्क नीति के बड़े हिस्से को उच्चतम न्यायालय के अवैध करार दिए जाने के बाद दक्षिणी कैलिफोर्निया के प्रमुख बंदरगाहों और छोटे व्यवसायों ने व्यापार नीतियों में स्पष्टता और स्थिरता की मांग की है।अदालत ने 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लागू की गई आयात शुल्क व्यवस्था को गैरकानूनी ठहराया है। इस निर्णय का असर देश के दो सबसे व्यस्त व्यापारिक केंद्रों लॉन्ग बीच बंदरगाह और लॉस एंजिल्स बंदरगाह पर व्यापक रूप से पड़ने की संभावना है। ये दोनों मिलकर अमेरिका का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवेश द्वार बनाते हैं। पोर्ट ऑफ लॉन्ग बीच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नोएल हसेगावा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह फैसला आपूर्ति श्रृंखला में अधिक निश्चितता लाएगा। ट्रंप प्रशासन के दौरान विशेष रूप से चीन और अन्य व्यापारिक साझेदार देशों पर लगाए गए टैरिफ से इन बंदरगाहों के कार्गो मात्रा, रोजगार और दीर्घकालिक योजनाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा था।आयात शुल्क की समय-सीमा से पहले आयातकों द्वारा बड़े पैमाने पर सामान मंगाए जाने से बंदरगाहों पर अस्थायी दबाव बढ़ा है जबकि अन्य समय में बढ़ी लागत के कारण आयात में गिरावट भी देखी गई। इस उतार-चढ़ाव ने बंदरगाह प्राधिकरणों और लॉजिस्टिक्स कंपनियों की योजना-प्रक्रिया को जटिल बना दिया है।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप के मार-ए-लागो एस्टेट में घुसने की कोशिश कर रहे युवक को मार गिराया

एजेंसी

मियामी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो एस्टेट में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले एक सशस्त्र युवक को अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने गोली मार दी। एजेंसी ने 22 फरवरी को इसकी पुष्टि की।

अधिकारियों के अनुसार घटना स्थानीय समयानुसार तड़के करीब 1:30 बजे हुई। उस समय राष्ट्रपति ट्रंप वॉशिंगटन में थे। सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिएल्मी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि एक सशस्त्र व्यक्ति ने मार-ए-लागो की सुरक्षित परिधि में अवैध रूप से प्रवेश किया, जिसके बाद एजेंटों और पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय की टीम ने कार्रवाई की। एजेंसी के बयान के मुताबिक संदिग्ध युवक, जिसकी उम्र शुरुआती 20 वर्ष बताई गई है, संपत्ति के उत्तरी गेट के पास दिखाई दिया। उसके पास कथित तौर पर एक शॉटगन और ईंधन का कनस्तर था। एजेंटों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर गोली

चलानी पड़ी। इस घटना में किसी भी सुरक्षा अधिकारी के घायल होने की सूचना नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप पहले भी कई बार हमलों या हत्या की साजिशों का निशाना बन चुके हैं। फरवरी की शुरुआत में 59 वर्षीय ryan राउथ को सितंबर 2024 में फ्लोरिडा के एक गोल्फ कोर्स पर ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

इससे दो महीने पहले पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान 20 वर्षीय मैथ्यू क्रूक्स ने ट्रंप पर गोली चलाई थी, जिसमें एक गोली उनके दाहिने कान को छूते हुए निकल गई थी। उस हमले में एक रैली प्रतिभागी की मौत हो गई थी। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही क्रूक्स को मार गिराया था। मार-ए-लागो एस्टेट पर ताजा घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

नाइजीरिया के जमफारा राज्य में हमला, 50 से अधिक लोगों की मौत; महिलाओं और बच्चों का अपहरण

एजेंसी

मैदुगुरी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी जमफारा राज्य में सशस्त्र हमलावरों ने एक गांव पर धावा बोलकर कम से कम 50 लोगों की हत्या कर दी और कई महिलाओं व बच्चों का अपहरण कर लिया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बक्कुयुम दक्षिण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक हामिसु ए. फारू के अनुसार हमलावरों ने गुरुवार शाम करीब पांच बजे तुंगन डुत्से गांव पर हमला शुरू किया, जो शुक्रवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे तक जारी रहा। इस दौरान हमलावरों ने कई मकानों को आग के हवाले कर दिया और भागने की कोशिश कर रहे ग्रामीणों पर गोलीबारी की। फारू ने बताया कि हमलावर एक गांव से दूसरे गांव की ओर बढ़ते रहे और पीछे कम से कम 50 शव छोड़ गए। अपहृत लोगों की सटीक संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। पारंपरिक नेता और स्थानीय प्रशासन लापता लोगों का पता लगाने में जुटे हैं। तुंगन डुत्से के निवासी अब्दुल्लाही सानी (41) ने बताया कि इस हमले में उनके परिवार के तीन सदस्य मारे गए। उन्होंने कहा कि

पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है। सानी के मुताबिक, एक दिन पहले ग्रामीणों ने 150 से अधिक मोटरसाइकिलों पर सवार हथियारबंद लोगों की गतिविधि देखी थी और सुरक्षा बलों को इसकी सूचना भी दी थी, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं हो सकी।

नाइजीरिया में बढ़ती असुरक्षा सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। हाल के वर्षों में 'बैंडिट' कहे जाने वाले सशस्त्र गिरोहों ने उत्तरी क्षेत्रों में लगातार हमले, फिरौती के लिए अपहरण और हिंसक वारदातों को अंजाम दिया है, जिससे हजारों लोग विस्थापित हुए हैं और व्यापक अस्थिरता पैदा हुई है। सरकार पर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बहाल करने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान बॉर्डर पर 70 आतंकियों को मारने का दावा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर हवाई हमले में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इस हमले में करीब 70 आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान के अंदर तीन इलाकों में सात आतंकवादी शिविरों और ठिकानों को निशाना बनाया।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि मारे गए ज्यादातर आतंकवादी पाकिस्तान के नागरिक हैं। यह लोग तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और दाएश-खोरासान जैसे बैन संगठनों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान लंबे समय से आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। पाकिस्तान अपने नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी कदम

उठा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद ने दशकों से लाखों अफगान शरणार्थियों को पनाह दी है और अपनी सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अफगानिस्तान को आर्थिक मदद दी है। चौधरी ने अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार पर 2020 के दोहा समझौते के तहत अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।

चौधरी ने कहा, ''अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार अपने वादे पर खरी नहीं उतरी है और आतंकवाद को नहीं रोका है।'' मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने काबुल के साथ सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कई स्तर की बातचीत की। उन्होंने दावा किया कि यूनाइटेड नेशंस ने अफगानिस्तान में दो दर्जन से अधिक आतंकी संगठनों के सक्रिय होने की सूचना दी है। उल्लेखनीय है पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह ताजा तनाव खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुए हमलों के बाद इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ है।

ईरान का आपात उत्तराधिकार प्लान' सक्रिय, लारिजानी को सौंपी अहम जिम्मेदारी

एजेंसी

वॉशिंगटन/तेहरान। पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अली खमेनेई ने अमेरिका या इज़राइल की संभावित सैन्य कार्रवाई की स्थिति में एक गोपनीय आपात ढांचा सक्रिय कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस रणनीति में बहु-स्तरीय उत्तराधिकार व्यवस्था, आपातकालीन कमान श्रृंखला और युद्धकालीन अधिकारों के हस्तांतरण जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में शासन और सैन्य नियंत्रण प्रभावित न हो। रिपोर्ट्स के अनुसार, खामेनेई के लंबे समय से करीबी माने जाने वाले लारिजानी को संवेदनशील जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्हें राज्य के प्रमुख मामलों की निगरानी, परमाणु कूटनीति और सैन्य समन्वय की कमान दी गई है। यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप के प्रशासन के साथ ईरान के रिश्तों में तनाव चरम पर बताया जा रहा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि ईरान ने अपनी सैन्य तैयारियों को उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। मिसाइल प्रणालियों की पुनः तैनाती और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखने जैसे संकेत संभावित टकराव की आशंका को दर्शाते हैं। हालांकि सार्वजनिक रूप से तेहरान का रुख आक्रामक और चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन अंदरखाने किसी भी गंभीर स्थिति से निपटने के लिए व्यापक तैयारी की जा रही है। विश्लेषकों का मानना है कि यह रणनीति न केवल सैन्य संतुलन बनाए रखने का प्रयास है।

पाकिस्तान में भारी टैक्स और कमजोर वेलफेयर सिस्टम से बढ़ा आर्थिक दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के इतिहास में जो भी सरकार रही हो, चाहे वो नागरक हो या फिर सैन्य, सभी ने ज्यादा और रिग्रेसिव टैक्स लगाए। इसका नतीजा यह हुआ कि यहां की अधिकांश आबादी को महंगाई की मार झेलनी पड़ी। साथ ही सरकार वेलफेयर के नाम पर भी कुछ नहीं देती। सरकार समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रति पूरी तरह से उदासीन है। यह बात पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित एक लेख में कही गई है। लाहौर से प्रकाशित द फ्राइडे टाइम्स के अनुसार, पाकिस्तान का राजकोषीय संकट केवल घाटे और आंकड़ों का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक टूटे हुए सामाजिक अनुबंध का संकेत है। नागरिक जो देते हैं और जो उन्हें मिलता है, उसके बीच बढ़ा गैप है। वेलफेयर डिलीवरी के बिना ज्यादा टैक्स न सिर्फ असरदार रेवेन्यू पैदा करने में नाकाम रहा है, बल्कि इसने भरोसा भी खत्म किया है,

निवेश को हतोत्साहित किया है और औपचारिक अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की विकास विफलता को अक्सर कम उत्पादकता, कमजोर निर्यात, नवाचार की कमी या अपर्याप्त उद्यमिता जैसे तर्कों से समझाया जाता रहा है। लेकिन, वास्तविक समस्या सरकार के बनाए कॉस्ट स्ट्रक्चर में है, जिसने व्यापार करना बहुत महंगा और स्ट्रक्चर के हिसाब से बेमतलब बना दिया है। लेख में निक्केई एशिया में प्रकाशित एक निजी क्षेत्र के हालिया विश्लेषण का हवाला दिया गया है, जिसमें यह बताया गया है कि पाकिस्तान में व्यापार चलाना दूसरी साउथ एशियन इकॉनमी के मुकाबले 34 प्रतिशत ज्यादा महंगा है। पाकिस्तान बिजनेस फोरम (पीबीएफ) की ओर से किए गए अध्ययन के अनुसार, अतिरिक्त लागत आकस्मिक या चक्रीय नहीं, बल्कि संरचनात्मक, संचयी और नीतिगत कारणों से उत्पन्न है।लेख में कहा गया, 'केवल 34 लाख प्रभावी करदाताओं की ओर से पूरे राज्य का वित्तपोषण किया जा रहा है, जो 8.56 करोड़ की कार्यबल का मात्र चार प्रतिशत है। हमने मध्यवर्ग के खिलाफ युद्ध घोषित कर दिया है। जब इस सीमित वर्ग को बहु-खरब रुपये के घाटे को पाटने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि अनौपचारिक अभिजात वर्ग अछूता रहता है, तो उत्कृष्टता को कर योग्य अपराध और पारदर्शिता को दिवालियापन का मार्ग बना दिया जाता है।' लेख में कहा गया है कि त्रासदी यह नहीं है कि पाकिस्तान बहुत कम कर एकत्र करता है, बल्कि यह है कि वह अव्यवस्थित ढंग से कर लगाता है। संकीर्ण कर आधार पर ऊंची दरें, कम प्राप्ति और लगभग पांच लाख करोड़ रुपये के कर व्यय के साथ, लगातार मिनी-बजट, सुपर टैक्स, पेट्रोलियम पर उपकर, कड़े स्रोत पर कर कटौती प्रावधान और अनुमानित कराधान के विस्तार के बावजूद ऋण-से-कर अनुपात 700 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया ने दोकोदो द्वीपों पर जापानी दावों का किया विरोध

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया ने 'दोकोदो' द्वीप पर जापान के बार-बार किये जाने वाले दावों का विरोध किया है। दोनों देशों के बीच स्थित इन द्वीपों को दक्षिण कोरिया में 'दोकोदो' और जापान में 'ताकेशिमा' कहा जाता है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जापान के शिमाने प्रान्त द्वारा आयोजित तथाकथित 'ताकेशिमा दिवस' कार्यक्रम के संबंध में दक्षिण कोरियाई सरकार दोकोदो पर जापान के बार-बार और अनुचित क्षेत्रीय दावों का कड़ा विरोध करती है। इस प्रान्त ने 2005 में 22 फरवरी को 'ताकेशिमा दिवस' घोषित किया था और तब से वह इन द्वीपों पर अपनी प्रशासनिक संप्रभुता का दावा करने के लिए वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है।कोरियाई विदेश

मंत्रालय ने जापान से इस कार्यक्रम को तुरंत समाप्त करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि दोकोदो ऐतिहासिक, भौगोलिक और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत स्पष्ट रूप से दक्षिण कोरियाई क्षेत्र का अभिन्न अंग है।

मंत्रालय ने कहा कि जापानी सरकार को दोकोदो पर अपने अनुचित और निराधार दावों को तुरंत बंद करना चाहिए और विनम्र दृष्टिकोण के साथ इतिहास का डटकर सामना करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 1910-1945 के जापानी औपनिवेशिक शासन से कोरियाई प्रायद्वीप की मुक्ति के बाद दक्षिण कोरिया ने इन द्वीपों पर अपनी संप्रभुता बहाल की थी। तब से दक्षिण कोरिया का दोकोदो पर प्रभावी नियंत्रण है और वहां एक छोटी पुलिस टुकड़ी तैनात है। दक्षिण कोरियाई लोग इन द्वीपों पर जापान के क्षेत्रीय दावों को औपनिवेशिक इतिहास को नकारने के रूप में देखते हैं।

बर्लिन फिल्म महोत्सवः रीमा दास को मिला पुरस्कार, अरुंधती, मीरा समेत कई ने किया है समारोह का विरोध

एजेंसी

बर्लिन। प्रशंसित फिल्म निर्माता रीमा दास ने अपनी फिल्म 'नॉट ए हीरो' के लिए 'बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026' में 'क्रिस्टल बियर स्पेशल मेंशन' पुरस्कार जीता है। पुरस्कार समारोह शनिवार को आयोजित किया गया था। इसमें जूरी ने फिल्म को विशेष सम्मान से नवाजा है। असमिया, हिंदी और अंग्रेजी में बनी इस फिल्म को पिछले सप्ताह प्रतियोगिता के 'जेनरेशन के प्लस' खंड में प्रदर्शित किया गया था। चिल्ड्रन जूरी 'जेनरेशन के प्लस' के सदस्यों में वाल्टर मोरित्ज अरंड्स, गुस्ताव अर्नज, थाबानी डाबुलमान्जी, रोजा सोफी क्रास्जनाहोरकाई, वेरा मार्श, एमिर एफे ओजेरन और अल्मा सोफिया विलानेवा बुलेमर शामिल थे। रीमा दास की यह फिल्म एक छोटे लड़के की कहानी है, जो शहर से अपने पैतृक गांव आता है। वहां के वातावरण में अपनी ताकत और साहस की नयी परिभाषा ढूंढ़ता है। बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में रीमा दास की यह लगातार तीसरी फिल्म थी, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस बार यह फिल्म फेस्टिवल न सिर्फ भारतीय फिल्मकार रीमादास की फिल्म को पुरस्कार मिलने की वजह से चर्चा में है, बल्कि भारत की मानवाधिकार कार्यकर्ता और मशहूर लेखिका अरुंधति राय समेत कई कलाकार-फिल्मकारों के समारोह का बहिष्कार करने की वजह से भी चर्चा में है।

पीएम मोदी की 9 साल बाद इजरायल यात्रा, संसद को करेंगे संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी को दो दिन के आधिकारिक दौरे पर इजरायल रवाना होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे की जानकारी का जिक्र करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया कि यह उनकी 2017 की ऐतिहासिक यात्रा के बाद दूसरा दौरा है। साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान दिए गए अपने वक्तव्य और आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा संदेशों में नेतन्याहू ने इस यात्रा को हाल के वर्षों में इजरायल और भारत के बीच बने विशेष संबंधों तथा 'वैश्विक शक्ति भारत' के साथ साझेदारी की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति बताया। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, ''बुधवार को भारत के प्रधानमंत्री, मेरे दोस्त नरेंद्र मोदी, इजरायल पहुंचेंगे। मैं अपनी आंखों के सामने जो विजन देख रहा हूं, उसके हिसाब से हम मिडिल ईस्ट के आसपास या उसके अंदर गठबंधनों का एक पूरा सिस्टम बनाएंगे। ऐसे देशों का एक धुरी समूह, जो वास्तविकता, चुनौतियों और लक्ष्यों को एक नजरिए से देखते हैं और कट्टरपंथी धुरी का सामना करते हैं।''नेतन्याहू ने अपने और पीएम मोदी के बीच दोस्ती पर जोर दिया और कहा कि वे अक्सर फोन पर बात करते हैं और एक-दूसरे से मिलते रहते हैं।इजरायली पीएम नेतन्याहू ने इस दौरे के लिए अपने विजन को एक बड़े स्ट्रेटेजिक फ्रेमवर्क को आगे बढ़ाने के तौर पर बताया। उनका मानना है कि मिडिल ईस्ट और उसके आसपास एक बड़ा अलायंस सिस्टम बनाया जाएगा, जिसे 'हेक्सागन ऑफ अलायंस' कहा गया है, जो एक जैसी सोच वाले देशों को एक साथ लाकर क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने और कट्टरपंथी ताकतों का मुकाबला करने में मदद करेगा। नेतन्याहू ने कहा, ''हमारा अमेरिका के साथ एक अनूठा और मेरे विचार से ऐतिहासिक गठबंधन है। राज्य स्तर पर भी और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मेरे व्यक्तिगत संबंधों के माध्यम से भी। इसका यह अर्थ नहीं है कि हम अन्य गठबंधन नहीं चाहते। इसके विपरीत हम उन्हें लगातार विकसित कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि यह दौरा ऐसे अलायंस को मजबूत करने में मदद करेगा और साथ ही इजरायल और भारत के बीच आर्थिक, डिप्लोमैटिक और सुरक्षा के मामलों में सहयोग को गहरा करेगा। 25-26 फरवरी की यात्रा के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का दोपहर में नेसेट (इजरायल की संसद) को संबोधित करना, इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ होलोकॉस्ट स्मारक याद वाशेम का दौरा तथा यरुशलम में उच्च-प्रौद्योगिकी सहयोग पर केंद्रित एक नवाचार कार्यक्रम में शामिल होना है। इस कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान रहेगा। यह विदेश दौरा पीएम मोदी के 2017 के ऐतिहासिक दौरे के लगभग नौ साल बाद हो रहा है, जो किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का इजरायल का पहला दौरा था, जिससे डिफेंस, एग्रीकल्चर, वॉटर मैनेजमेंट और इनोवेशन में रिश्ते और मजबूत हुए थे।2018 में नेतन्याहू की भारत यात्रा ने भी दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत किया था।मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा आतंकवाद-रोधी सहयोग, रक्षा आपूर्ति और प्रौद्योगिकी साझेदारी के क्षेत्रों में भारत और इजरायल के बढ़ते सामरिक तालमेल को रेखांकित करती है।बैठकों में व्यापार विस्तार, रक्षा समझौते, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।इजरायल की आंतरिक राजनीतिक परिस्थितियों के बीच इस घोषणा ने ध्यान आकर्षित किया है, जहां कुछ विपक्षी नेताओं ने कनेस्सेट में संबोधन को लेकर प्रक्रियात्मक चिंताएं जताई हैं।यह यात्रा दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच 'मजबूत गठबंधन' को और सुदृढ़ करने के रूप में देखी जा रही है।

page 1 and 8 Feb 24_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/23/2026 10:26 PM Page 2

मार्च माह में बोई जाने वाली फसलें

बोएं ये 10 फसलें, होगा भरपूर मुनाफा

आज हम मार्च माह में बोई जाने वाली फसलों के बारे में जानकारी दे रहे हैं जिससे आप सही समय पर फसल की बुवाई कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सके। इसी के साथ उनकी अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों से भी आपको अवगत करा रहे हैं ताकि आप अपने क्षेत्र के अनुकूल रहने वाली उन्नत किस्मों का चयन करके उत्पादन को बढ़ा सके। आशा करते हैं हमारे द्वारा दी जा रही ये जानकारी किसान भाइयों के लिए फायदेमंद साबित होगी। तो आइए जानते हैं मार्च माह में बोई जाने वाली फसलों के बारे में।

अरहर

सिंचित अवस्था में अरहर की टी-21, यूपीएएस 120 किस्में मार्च में लगाई जा सकती हैं। इसके लिए अच्छे जल निकास वाली दोमट से हल्की दोमट मिट्टी में दोहरी जुताई करके खरपतवार निकाल लें तथा 1/3 बोरा यूरिया व 2 बोरे सिंगल सुपर फास्फेट डालकर सुहागा लगा दें। अरहर का ।-6 कि.ग्रा.स्वस्थ्य बीज लेकर राइजोवियम जैव खाद से उपचारित करके 16 इंच दूर लाइनों में बोयें। अरहर की 2 लाइनों के बीच यदि बैसाखी मूग लगाना है तो दूरी 20 इंच कर लें। बीजाई के 2। और 4। दिन बाद खरपतवारों की रोकथाम हेतु निराई-गुड़ाई करें। आवश्यतानुसार हल्की सिंचाई कर सकते हैं।

आलू

पहाड़ी क्षेत्रों में आलू लगाने के लिए झुलसा रोग-रोधक कुफरी ज्योति किस्म उपयुक्त है। अच्छे जल निकास वाली दोमट मिट्टी में बीजाई के समय 1 लीटर क्लोरपाइरीफास 2। ईसी को 10 कि.ग्रा. रेत में मिलाकर डालने से दीमक से सुरक्षा रहती हैं । आलू के 10-12 किवंटल मध्यम आकार के 2-3 आंख वाले टुकड़ों को 0.2। प्रतिशत एमीसान 6 के घोल में 6 घंटों तक डुबोएं। बीजाई के समय काफी नमी होनी चाहिए।

वहीं खेत तैयार करते समय 10 टन कम्पोस्ट, 1 बोरा यूरिया, 2 बोरे डी ए पी तथा 1 बोरा पोटशियम सल्फेट 10 इंच दूर कूड़ों में डालकर मिट्टी से ढक दें फिर उपर बीज आलू के टुकडे 8 इंच की दूरी रखकर मिट्टी से ढक दें। खरपतवार नियंत्रण के लिए बीजाई के 48 घंटों के अन्दर ।00 ग्राम आइसोप्रोटोन ।। घुलनशील पाउडर 300 लीटर पानी में घोलकर छिडकें। बारानी क्षेत्रों में नमी बनाएं रखने के लिए खेत पर सूखी घास बिछा दें।

अदरक

मार्च माह में अदरक के । कि.ग्रा. स्वस्थ कंदों को 18 ईंच लाइनों में तथा 12 इंच पौधों में दूरी रखकर लगाएं। खेत तैयारी पर 10 टन कम्पोस्ट, एक बोरा यूरिया, एक बोरा डी ए पी तथा एक बोरा पोटाशियम सल्फेट डालें। दो महिने बाद एक बोरा यूरिया गुडाई के समय दें।

ढींगरी मशरूम

ढींगरी मशरूम उगाने के लिए हल्के भीगे साफ गेहूं के भूसे या धान के पुआल में खुम्भ के बीज डालने से 3-4 सप्ताह बाद खुम्भ तोडने लायक हो जाते हैं। ढींगरी मशरूम उगाना बहुत आसान है तथा काफी आमदनी देती हैं।

बसंतकालीन गन्ना

बसंतकालीन गन्ना मार्च अंत तक बोया जा सकता है। गन्ने में शुरू में बढ़ोत्तरी धीमी होती है इसका लाभ उठाते हुए 2 लाइनों के बीच एक लाइन अल्प अवधि वाली वैशाखी मूंग, उर्द, लोबिया, मिंडी इत्यादि की मिश्रित फसल लगा सकते हैं, जिनके लिए अतिरिक्त खाद डालनी पड़ेगी। इससे अतिरिक्त फसल तो मिलती ही है तथा गन्ने में खरपतवार नियंत्रण भी रहता है।

आंवले के लिए कांचन, कृष्णा, नरेन्द्र आंवला-6, नरेन्द्र आंवला- ।, नरेन्द्र आंवला-10 यह किस्में लगाई जा सकती है। बीज को बोने से 12 घंटे पहले पानी में भिगो देना चाहिए। जो बीज पानी में तैरने लगे उन बीजों को फेंक देना चाहिए।

चारा वाली 4 फसलें

ज्वार - ज्वार की उजे एस 20, एच सी 136, एच एसी 1।1, एच सी 260, एच सी 308 किस्में 1510-200 क्विंटल हरा चारा देती हैं । इनके 1। कि.ग्रा. बीज को 10 इंच दूर लाइनों में लगाएं।

बाजरा -बाजरा की कोई भी किस्म के 3-4 कि.ग्रा. बीज को 12 इंच दूर लाइनों में बोयें इससे ।0-।। दिन बाद 160 क्विंटल हरा चारा प्राप्त हो जाता हैं । दोनों फसलों में बीजाई के समय 1 बोरा यूरिया डालें तथा 1 महीने बाद आधा बोरा यूरिया और डाल दें। रेतीली मिट्टी में 1 बोरा सिंगल सुपर फासफेट भी बीजाई पर डालें।

लोबिया - लोबिया की एफओएस 1, न. 10, एच एफ सी 42-1, सी एस 88 किस्में 100-1 ।0 क्विंटल हरा चारा 2 महिनों में देती हैं । इनका 16-20 कि.ग्रा. बीज को राइजोवियम जैव खाद से उपचारित करने के बाद 12 इंच दूर लाइनों बोयें। बीजाई पर आधा बोरा यूरिया तथा 3 बोरे सिंगल सुपर फासफेट डालें ।

हाथी घास - संकर हाथी घास की नेपियर बाजरा संकर -21 किस्म सारा साल हरा चारा देती हैं । इसें जड़ों या तनों के टुकुडों द्वारा उगाया जाता हैं । 20 इंच लम्बे 2-3 गाठों वाले 11000 टुकड़े प्रति एकड़ लगते हैं। आधा टुकड़ा जमीन में तथा आधा हवा में रखकर 30 इंच लाइनों में तथा 24 ईंच पौधे में दूरी रखें। रोपाई से पहले खेते में 20 गाड़ी सड़े-गले गोबर की खाद दें। हर कटाई के बाद 1 बोरा यूरिया डालें। गर्मियों में 10-1। दिन के अन्तर पर सिंचाई करते रहें।

किसान भाई, इस समय रबी फसल का मौसम चल रहा है जो दो महीने के बाद खत्म हो जायेगा । इसके बाद आप सभी को अगली फसल यानि साधारण खरीफ फसल के लिए 3 महीने का इंतजार करना होगा । इस बीच सब्जी की खेती करें तो आप सभी लोगों को परम्परागत खेती के अतरिक्त आमदनी होगी । इसके साथ ही सब्जी की खेती में आमदनी अच्छी होती है । जितना मुनाफा परम्परागत खेती से होता है उससे ज्यादा मुनाफा सब्जी की खेती से होगा इसलिए आज आप सभी के लिए देहात सन्देश कुछ सब्जी की खेती की जानकारी लेकर आया है जो आप सभी लोगों के लिए आवश्यक है । फरवरी से मार्च माह में किसान भाई टमाटर, भिंडी, मिर्च इत्यादी सब्जियों की खेती कर सकते हैं जो अच्छा मुनाफा देती हैं इसलिए इन सभी फसलों की पूरी जानकारी लेकर आये हैं

मिर्च की खेती

मिर्च की खेती कम भूमि में भी अच्छी आमदनी देती है । इस फसल की रोपाई का समय है । आप सभी को इसकी खेती करनी चाहिए क्योंकि मिर्च हरी तथा लाल दोनों को अच्छी कीमत मिलती है ।

मिर्च की बुवाई कब करें ?

ग्रीष्म मिर्च की रोपाई फरवरी - मार्च में करना अच्छा रहता है ।

मिर्च की उन्नत किस्म काशी अनमोल (उपज 250 क्वि. / हे.), काशी विश्वनाथ (उपज 220 क्वि./ हे.), जवाहर मिर्च - 283 (उपज 80 क्वि. / हे हरी मिच.) जवाहर मिर्च -218 (उपज 18-20 क्वि. / हे सूखी मिच.) अर्का सुफल (उपज 250 क्वि. / हे.) तथा

संकर किस्म काशी अर्ली (उपज 300-350 क्वि. / हे.), काषी सुर्ख या काशी हरिता (उपज 300 क्वि. / हे.) का चयन करें।

पब्लिक सेक्टर की एचपीएच-1900, 2680, उजाला तथा यूएस-611, 120 संकर किस्में की खेती की जा रही है।

बीज की मात्रा क्या रहेगी ?

मिर्च की ओ.पी. किस्मों के 500 ग्राम तथा संकर (हायब्रिड) किस्मों के 200-225 ग्राम बीज की मात्रा एक हेक्टेयर क्षेत्र की नर्सरी तैयार करने के लिए पर्याप्त होती है।

भिंडी की कृषि

भिंडी की खेती वर्ष में दो बार की जा सकती है ।

ग्रीष्म-कालीन भिंडी की खेती के लिए बुआई का सही समय अभी है । इस लिए किसान भाई, आप सभी लोग भिड़ी की खेती करना चाहते है तो इसे जरुर अपनए ।

भिंडी की बुआई कब करें ?

ग्रीष्मकालीन भिण्डी की बुआई फ़रवरी मार्च में करना उचित है।

भिंडी की उन्नत किस्म कौन - कौन है ?

पूसा ए -4 = भिंडी की एक उन्नत किस्म है। प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,नई दिल्ली द्वारा निकाली गई हैं। एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील हैं। पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है। फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12-15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते है। बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुडाई 45 दिनों बाद शुरू हो जाती हैं। इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति है0 है।

परभनी क्रांति- किस्म पीत-रोगरोधी है। प्रजाति 1985 में मराठवाडा कृषि विश्वविद्यालय, परभनी द्वारा निकाली गई हैं। बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते है। गहरे हरे एवं 15-18 सें0मी0 लम्बे होते है। इसकी पैदावार 9-12 टन प्रति है0 है।

पंजाब -। - यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई हैं। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते है। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते है। इसकी पैदावार 8-12 टन प्रति है0 है।

अर्का अभय-प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं। यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

अर्का अनामिका- प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं। प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं। फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5-6 धारियों वाले होते हैं। फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती हैं। प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाईं जा सकती हैं। पैदावार 12-15 टन प्रति है0 हो जाती हैं।

वर्षा उपहार- प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई हैं। प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड़ पासपास होते हैं। पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड़ से निकलती हैं। पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बडे लोब्स वाली होती हैं। वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरू हो जाते हैं व फल । दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं। फल चौथी पांचवी गठियों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9-10 टन प्रति है0 होती हैं। इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

हिसार उन्नत- प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई हैं। मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड़ पासपास होते हैं। पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड़ से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा हो ता हैं। पहली तुड़ाई 46-4। दिनों बाद शुरू हो जाती हैं। औसत पैदावार 12-13 टन प्रति है0 होती हैं। फल 15-16 सें0मी0 लम्बे हरे तथा आकर्षक होते है। यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाईं जाती हैं।

वी.आर.ओ. -6-इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है। प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान,वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं। यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है। पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 1 ।5 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है। इंटरनोड़ पासपास होते हैं। औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरू हो जाते हैं । गर्मी में इसकी औसत पैदावार 5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति है0 तक ली जा सकती है।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीका

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 कि0ग्रा0 तथा असिंचित दशा में 5-। कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते

है।

बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए।

भिंडी की खेती में उर्वरक तथा खाद का प्रयोग कितना करें ?

भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमशः 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

टमाटर की खेती

टमाटर की खेती भी वर्ष में दो बार किया जाता है । इसकी खेती के बाद बाजार भी सभी जगह मिल जाता है । इसकी खेती इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है की टमाटर का अलग - अलग प्रोडक्ट बनाया जाता है । इसकी खेती देश में सभी जगह की जगह की जा सकती है ।

टमाटर की बुआई कब करें ?

शीत ऋतु के लिये जनवरी-फरवरी। फसल पाले रहित क्षेत्रो में उगायी जानी चाहिए या इसकी पाले से समुचित रक्षा करनी चाहिएं।

बीज की मात्रा कितनी है ?

एक हेक्टेयर क्षेत्र में फसल उगाने के लिए नर्सरी तैयार करने हेतु लगभग 350 से 400 ग्राम बीज पर्याप्त होता है।

संकर किस्मों के लिए बीज की मात्रा 150-200 ग्राम प्रति हेक्टेयर पर्याप्त रहती है।

टमाटर की उन्नत किस्में

देशी किस्म-पूसा रूबी, पूसा - 120, पूसा शीतल, पूसा गौरव , अर्का सौरभ , अर्का विकास, सोनाली

संकर किस्म-पूसा हाइब्रिड-1, पूसा हाइब्रिड -2, पूसा हाइब्रिड -4, अविनाश-2, रश्मि तथा

निजी क्षेत्र से शक्तिमान, रेड गोल्ड, 501, 2535 उत्सव, अविनाश, चमत्कार, यू.एस. 440 आदि।

नर्सरी एवं रोपाई

नर्सरी मे बुवाई हेतु 1 से 3 मी. की ऊठी हुई क्यारियां बनाकर फोर्मेल्डिहाइड द्वारा स्टेरीलाइजशन कर ले अथवा कार्बोफ्यूरान 30 ग्राम प्रति वर्गमीटर के हिसाब से मिलावें । बीज को कार्बेन्डाजिम/ट्राइकोडर्मा प्रति किग्रा. बीज की दर से उपचारित कर 5 से.मी. की दूरी रखते हुये कतारो मे बीजो की बुवाई करे। बीज बोने के बाद गोबर की खाद या मिट्टी ढक दे और हजारे से छिडकाव बीज उगने के बाद डायथेन एम-45/मेटालाक्सिल छिडकाव 8-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। 25 से 30 दिन का रोपा खेतो मे रोपाई से पूर्व कार्बेन्डिजिम या ट्राईटोडर्मा के घोल में पौधों की जड़ों को 20-25 मिनट उपचारित करने के बाद ही पौधों की रोपाई करें।

पौध को उचित खेत में ।5 से.मी. की कतार की दूरी रखते हुए 60 से.मी के फासले पर पौधो की रोपाई करे।

मेंड़ों पर चारों तरफ गेंदा की रोपाई करें । फूल खिलने की अवस्था में फल भेदक कीट टमाटर की फसल में कम जबकि गेदें की फलियों / फूलों में अधिक अंडा देते है।

कद्दू

कद्दू की खेती यदि आप करना चाहते हो तो आपको सही यानी कि उचित जल निकासी उपजाऊ जमीन की आवश्यकता पड़ेगी। जिस जमीन पर कम समय के लिए जल भराव होता हो वहां खेती अच्छी होती है। भूमि का पी एच मान 5-। होना जरुरी है।

कद्दू की खेती के लिए प्रारंभ में करीबन 20 डिग्री के लगभग बीज अंकुरण के लिए तापमान सही माना गया है। तथा 25-30 डिग्री के आसपास तापमान होना चाहिए जब पौधे का विकास व फलों की बढ़वार का समय चल रहा हों। कद्दू की खेती आप लोग शीतोष्ण व समशीतोष्ण दोनों में कर सकते हो।

प्रारंभ में मिट्टी पलटने वाले हल से खेत की गहरी जुताई करें। कुछ दिनों तक धूप लगने दे उसके बाद गोबर की खाद को जमीन में मिला दे। तथा पाटा लगा लें। और समतल बना लिजिए। प्रति हेक्टेयर आपको 3-4 किलोग्राम बीज की आवश्यकता पड़ेगी। क्यारियों के बीच में करीबन 4-5 मीटर की दूरी हो। पहाड़ी इलाकों में मार्च-अप्रैल, दक्षिण भारत में अगस्त तथा बिना सिंचाई वाली जगहों पर जून के महीने में इसे उगाया जाता है।

प्रारंभ में जुताई करते समय करीबन 15 गाड़ी गोबर की खाद को मिट्टी में मिला दे। उसके बाद 50 किलोग्राम पोटाश, 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 40 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से डाले। इसके अलावा नाइट्रोजन की मात्रा को दो बार में खेत में डाले ताकि उपज अच्छी हो।

सिंचाई कब करनी चाहिए

जब समय फलों के विकास तथा बीज अंकुरण का हो तो आपको अधिक सिंचाई करने की आवश्यकता पड़ेगी। अंकुरित होने तक आप आवश्यकतानुसार ही 3-4 दिन के हिसाब से हल्की सिंचाई करते रहे। गर्मियों के दिनों में सप्ताह में एक बार पौधे को पानी देना चाहिए।

तुड़ाई कब करनी चाहिए

कद्दू की फसल करीबन 100-110 दिन में तैयार हो जाती है उसके बाद आप तुड़ाई कर सकते हो। जो पके हुए फल है ऊपर की तरफ से सफेद पीले हो जाते हैं। जब आपको लगे फलों का आकार सही हो गया है तो उसे डंठल सहित काट लें।

खीरा

आप खीरे की बुवाई कर सकते हैं और अच्छी आमदनी ले सकते हैं. इसके लिए पहले खेत को अच्छे से तैयार कर लें. इसके बाद पंक्ति से पंक्ति की दूरी डेढ़ मीटर रखें और पौधे के पौधे से दूरी 1 मीटर की रखें. समय समय पर निराई-गुड़ाई के साथ हल्की सिंचाई करें.

ककड़ी

फरवरी और मार्च का महीना ककड़ी की फसल के लिए उपयुक्त होता है. यदि आप इसकी अगेती फसल लेना चाहते हैं तो जनवरी में थैलियों में बीज उगा लें जिसे बाद में खेत में लगा दें. एक एकड़ में ककड़ी लगाने के लिए आपको एक किलोग्राम बीज की जरुरत पड़ेगी. भूमि की तैयारी के लिए गोबर खाद डालें और अच्छी जुताई करें. इसके बाद 2 मीटर चौड़ी क्यारियां बनाएं और 60 सेंटीमीटर की दूरी पर पौधे लगाएं.

करेला

कमाई के लिहाज से करेला की खेती करना फायदेमंद होता है. इसके पौधे और बीज लगाकर आप खेती कर सकते हैं. ढाई से 5 मीटर की दूरी में 2 से 3 बीज बोने चाहिए. बीज को बोने से पहले रात को भिगो लेना चाहिए. अम्लीय भूमि में करेले की अच्छी पैदावार होती है. समय समय पर निराई-गुड़ाई और सिंचाई करें.

लौकी

दोमट मिट्टी लौकी की खेती के लिए उत्तम होती है. एक हेक्टेयर में लौकी के 4.5 किलोग्राम बीज लगते हैं. रात को बीज को भिगोकर 24 घंटे तकगीले टाट में लपेटकर रखें. इससे बीजों का अंकुरण जल्दी होता है. इसके लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी और 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनाए. नाली के दोनों किनारों पर बीज लगाए. बीज को 4 सेंटीमीटर की गहराई तक लगाएं.

तोरई

तोरई की खेती के लिए दोमट मिट्टी सर्वोत्तम मानी जाती है. नदी किनारे इसकी खेती अच्छी होती है. इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर रखें. वहीं पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर रखें. ध्यान रहे एक जगह पर दो बीजों की बुवाई करना चाहिए. तोरई का बीज ज्यादा गहरा नहीं लगाना चाहिए.

पेठा

यह दोमट, बलुई और अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है. एक हेक्टेयर में पेठा कद्दू की खेती के लिए । से 8 किलो बीज की जरुरत पड़ती है. इसके लिए एक 15 हाथ लंबा लकड़ी का डंडा लें जिसकी सहायता से सीधी लाइन में पेठा के बीज की बुवाई करें. एक हाथ की दूरी में पेठा के 3 से 4 बीज बोए जाते हैं.

बैंगन

उर्वरक व खाद्य की मात्रा

सबसे पहले बैंगन का पौधा तैयार कर लें. इसके बाद फरवरी से अप्रैल तक इसकी बुवाई कर दें. बैंगन के लिए दोमट मिट्टी उत्तम होती है. इसके लिए पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी 60 सेंटीमीटर होती है.

सिंचाई कब करनी चाहिए

अरबी

यह रेतीली दोमट मिट्टी में अच्छी होती है. इसके कंदों के विकास के लिए गहरी ज़मीन की आवश्यकता होती है. इसके सबसे पहले समतल क्यारियां बनाए. पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें. वहीं पौधें से पौधे की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें. अरबी की गांठों को 6 से । सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए.

पालक

इसकी खेती के लिए बलुई दोमट और मटियार मिट्टी उत्तम होती. अम्लीय मिट्टी में पालक की खेती नहीं होती है. एक हेक्टेयर में पालक की खेती करने के लिए 25 से 30 किलोग्राम पालक के बीज की जरुरत पड़ती है. इसकी बुवाई के लिए पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर रखी जाती है. जबकि पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर होती है.

पुदीना

पुदीने की खेती की तरह की मिट्टी में की जाती है। इसकी खेती आप जल जमाव मृदा में भी कर सकते हो। लेकिन इसके अच्छे परिणाम आपको उच्च नमी वाली मृदा में देखने को मिलेंगे। बात करे पी एच मान की तो 6-।.5 के आसपास पी एच मान होना चाहिए। इसकी खेती से अच्छा लाभ मिलता है।

पुदीने की खेती के लिए बैड तैयार कर लीजिए। खेती की सही ढंग से जुताई करें। पौधे से पौधे के बीच 40 सेंटीमीटर की दूरी होनी चाहिए तथा 60 सेंटीमीटर की दूरी पंक्तियों से पंक्तियों के बीच होनी चाहिए। बीज की बुआई हमेशा करीबन 2-3 सेंटीमीटर की गहराई में करें।

खेत तैयार करते वक्त करीबन 80-120 क्विंटल प्रति एकड़ में खाद्य को डालिए। फॉस्फोरस 32-40 किलोग्राम, पोटाशियम 20 किलोग्राम, तथा 80 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ में मिला दीजिए।

यदि सर्दियों का समय है तो आपको बता दे कि सर्दियों में अधिक सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ती। अगर सर्दी के मौसम में बारिश ना हो रही हो तो आप आवश्यकतानुसार एक सिंचाई जरुर करें। बात करे गर्मी की तो गर्मी में आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहे। मानसून के बाद 3 सिंचाई करने की जरूरत होती है।

फसल कब काटे

जब आपको लगे कि निचले पत्ते पीले रंग के हो गए हैं तो आप कटाई शुरू कर सकते हो। यह फसल 100-120 दिनों में कटने लायक हो जाती है। दूसरी कटाई आप पहली कटाई के 80 दिनों के अंतराल में करें।

(Compiled by: C M Sharrma;